फाल्गुन शुक्ल - 10 | संवत 2080 | वर्ष - 19 | अंक - 234 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | बेंगलूरु » मंगलवार » 19-03-2024 | www.dakshinbharat.com | Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

JPRPARK INFRA LLP
रेरा रजि. नं. RAJ/P/2024/2965
www.rera.rajasthan.gov.in

मुख्यमंत्री जन आवास योजना

मानसरोवर विस्तार
जयपुर में आवासीय फ्लैट्स
के द्वितीय चरण हेतु लॉटरी द्वारा आवंटन

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना-3A
के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं रियल एस्टेट रेगुलेशन एक्ट में पंजीकृत आवासीय योजना

आवेदन की अंतिम तिथि
23 मार्च, 2024

1BHK पंजीकरण राशि ₹66,000 कुल राशि ₹23.5 लाख*

3BHK पंजीकरण राशि ₹96,000 कुल राशि ₹43 लाख*

जे पार्क
मानसरोवर विस्तार
जयपुर

90% तक लोन उपलब्ध
विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स एवं प्रवासी राजस्थानवासियों के लिए 2 लाख रुपये तक की विशेष छूट।

संपर्क करें
8687882222
7240192222

आवेदन हेतु
www.cmjanaawas.com

सहयोग दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के नेलमंगला तहसील डाबसपेट के निकट वनकल मलेश्वर महासंस्थान द्वारा संचालित गौशाला में गायों की सेवा के लिए शिव गौसेवा भजन मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट बेंगलूरु की ओर से 111111 रुपए की सहयोग राशि का चेक डॉ बसवा रामानंद स्वामी को प्रदान करते हुए गौसेवक महेंद्र मुणोत एवं ट्रस्ट के अध्यक्ष हनुमान माली।

यशवंतपुर तेरापंथ भवन में शुरु हुआ सात दिवसीय सीपीएस प्रशिक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशानुसार तेरापंथ युवक परिषद यशवंतपुर द्वारा 7 दिवसीय कॉन्फिडेन्ट पब्लिक स्पीकिंग कोर्स (सीपीएस) प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ तेरापंथ भवन में किया गया। तेयुप मंत्री महावीर गन्ना ने मंच का संचालन किया। सीपीएस संयोजक हितेश दक ने विजय गीत से मंगलाचरण किया और मुख्य प्रशिक्षक संयम जैन का परिचय दिया। अध्यक्ष जिगर मारू ने सबका स्वागत किया।

मुख्य प्रशिक्षक संयम जैन ने सभी स्नातकों को आत्मविश्वास के साथ बात करने का प्रभावी प्रशिक्षण दिया। अभातेयुप के कर्नाटक संभाग के प्रभारी विनोद मुथा ने ख़ुद एक स्नातक के रूप में कार्यशाला में भाग लेकर सबका उत्साहवर्धन किया।

साथ ही अभातेयुप के सीपीएस राष्ट्रीय प्रभारी दिनेश मरोठी, राष्ट्रीय प्रशिक्षक अरविन्द मांडोत और बबीता रायसोनी ने भी कार्यशाला में शामिल होकर सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

केजरीवाल जल बोर्ड से जुड़े धनशोधन मामले में ईडी के सामने पेश नहीं हुए

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली जल बोर्ड में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन पर सोमवार को उसके सामने पेश नहीं हुए। वहीं आम आदमी पार्टी (आप) ने समन को गैरकानूनी बताया और केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर केजरीवाल को निशाना बनाने और उन्हें लोकसभा चुनाव में प्रचार करने से रोकने के लिए ईडी का ''इस्तेमाल'' करने आरोप लगाया। पार्टी ने आरोप लगाया, समन अवैध है। भाजपा ईडी का इस्तेमाल करके लोकसभा चुनाव लड़ना चाहती है।

भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पलटवार करते हुए कहा कि आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने ईडी के समन पर बार-बार पेश नहीं होकर अपना सम्मान गंवा दिया है और आरोप लगाया है कि दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) में घोटाला हुआ है।

वायुसेना ने आंध्रप्रदेश में आपात स्थिति में विमानों को उतारने का अभ्यास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बापटला (आंध्र प्रदेश)/भाषा। भारतीय वायुसेना ने सोमवार को यहां पिचिकालगुडिपाडु गांव के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग-16 पर विमानों की आपात 'लैंडिंग' का सफल परीक्षण किया। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी।

बापटला के पुलिस अधीक्षक वकुल जिंदल ने बताया कि किसी भी भावी आकस्मिक स्थिति का सामना करने के लिए वायुसेना ने अपनी आपात तैयारी को सशक्त बनाने के तहत यह परीक्षण किया जिसमें दो मालवाहक विमानों-- एएन 32 और डोर्नियर ने हिस्सा लिया।

जिंदल ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, लैंडिंग (आपात स्थिति में विमान के उतरने का) परीक्षण सफलतापूर्वक किया गया। दो मालवाहक विमान एएन 32 एवं डोर्नियर (राजमार्ग पर) उतरे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग-16 पर 4.1 किलोमीटर लंबी आपात लैंडिंग सुविधा युद्धकाल में विमानों के उतरने के विकल्प के रूप में उपलब्ध रहेगी।

यह अभ्यास पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न एक बजे तक दो घंटे के अंदर दो बार किया गया और इसके लिए बापटला जिला पुलिस ने सुबह साढ़े सात बजे से अपराह्न एक बजे तक राजमार्ग पर यातायात का मार्ग बदल दिया था।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सुखोई 30 समेत कुछ जंगी विमानों ने भी उड़ान भरी लेकिन वे राजमार्ग पर नहीं उतरे।

कांग्रेस नेता सतीशन ने विजयन पर भाजपा के लिए 'संभावनाएं' बनाने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। लोकसभा चुनाव के वास्ते प्रचार अभियान के गति पकड़ने के साथ ही केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन ने सोमवार को मुख्यमंत्री पिनराई विजयन पर राज्य में भारतीय जनता पार्टी के लिए 'संभावनाएं' पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

तिरुवनंतपुरम के समीप अटिंगल में सतीशन ने दृढ़तापूर्वक कहा कि भाजपा इन सारी तिकड़मों के बावजूद लोस चुनाव के दौरान राज्य में अपने पैर नहीं जमा पायेगी। उन्होंने वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के संयोजक ई.पी. जयराजन के पिछले बयान का भी हवाला दिया कि केरल में कई निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा दूसरे नंबर पर आयेगी और उसके कई प्रत्याशी अच्छे हैं। माकपा के नेता जयराजन ने जो कुछ कहा है, वैसा कोई विचार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के सुरेंद्रन या उनकी पार्टी ने व्यक्त नहीं किया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि विजयन केंद्र में सत्तारूढ़ 'भाजपा को खुश करने' के चक्कर में 'बेचारे' जयराजन को ऐसा बयान देने के लिए बाध्य कर रहे हैं। सतीशन ने आरोप लगाया कि विजयन विभिन्न मामलों में जांच को लेकर आशंकित हैं, इसलिए वह ''भाजपा के लिए संभावनाएं पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। त्रिशूर लोकसभा सीट पर त्रिकोणीय मुकाबले का उल्लेख करते हुए सतीशन ने दावा किया कि मध्य केरल की इस सीट पर संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के उम्मीदवार और दिवंगत कांग्रेस नेता के करुणाकरण के बेटे के. मुरलीधरन विजयी होंगे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

भूल सुधार

दि. 18.3.2024 को पेज नंबर 2 में प्रकाशित शत शत नमन / श्रीमान् कांतिलालजी सा. बागरेचा के विज्ञापन में भूलवश स्वर्गवास दि. 15.3.2024 के स्थान पर दिनांक 15.3.2023 प्रकाशित हो गया है, कृपया संशोधन कर दि. 15.3.2024 सही पढ़ा जाये। -विज्ञापन एजेंसी

आंध्र प्रदेश: 21 दिन की बस यात्रा पर रवाना होंगे मुख्यमंत्री रेड्डी

अमरावती/भाषा। वाईएसआरसीपी के प्रमुख और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों के लिए प्रचार के सिलसिले में जल्द ही 21 दिन की राज्यव्यापी बस यात्रा पर रवाना होंगे। मंगलवार को यात्रा कार्यक्रम जारी किया जा सकता है। यात्रा 26 या 27 मार्च को शुरू होने की उम्मीद है और यह सभी संसदीय क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। आंध्र प्रदेश में विसऔर लोस चुनाव 13 मई को होने हैं और चार जून को परिणाम घोषित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, वाईएसआरसीपी प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार अभियान के तहत बस यात्रा शुरू करेंगे।

गतिशील नेतृत्व विषयक प्रशिक्षण सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जूनियर चेम्बर इंटरनेशनल बेंगलूरु गार्डन सिटी ने 'एक गतिशील नेतृत्व' विषय पर प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया, जिसमें चेयरमैनशिप और संसदीय प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। राष्ट्रीय प्रशिक्षक हितेश गिरिया ने उपस्थित जनों को कुशल नेतृत्व के गुर सिखाए तथा कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में अध्यक्ष चेतन पोरवाल, पूर्व अध्यक्ष हितेश सोनीगरा, कोषाध्यक्ष रोहित सुराना और सहसचिव धीरज मालानी आदि उपस्थित थे। शामिल थे।

कन्याकुमारी के महावीर स्वामी जिनालय दादावाड़ी में ध्वजारोहण सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्याकुमारी/बेंगलूरु। जैन तीर्थ संस्थान के तत्वावधान में निर्मित कन्याकुमारी स्थित श्री महावीर स्वामी जिनालय, जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी और राजेन्द्रसूरी गुरु मन्दिर की ध्वजारोहण सोमवार को हर्षोल्लास से सम्पन्न हुआ। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने बताया कि बेंगलूरु के संघवी शांतिदेवी पुखराज तेजराज गुलेच्छा परिवार द्वारा परमात्मा की ध्वजा फहराई गई।

जिनकुशलसूरी गुरुदेव की ध्वजा बबला गुलेच्छा तिन्डीवनम और गुरु राजेन्द्र मंदिर की ध्वजा बगतावरमल हरण मदुरै द्वारा फहराई गई। यात्रा संघ के यात्रियों के द्वारा कन्याकुमारी भोजनशाला में फोटो योजना का लाभ लिया। ध्वजारोहण में अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद बैंगलोर शाखा के अनेक सदस्य भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने पंजाब की 15 वर्ष की खिलाड़ी तन्वी शर्मा के प्रदर्शन की प्रशंसा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होशियारपुर (पंजाब)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब की 15 वर्षीय बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा को पत्र लिखकर 2023 में बैडमिंटन प्रतियोगिताओं के दौरान उनके राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन की प्रशंसा की है। तन्वी शर्मा ने मलेशिया में आयोजित सीनियर एशियाई चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर देश का ध्यान अपनी ओर खींचा था।

बैडमिंटन खिलाड़ी को लिखे पत्र में मोदी ने पूरे देश की ओर से अंतरराष्ट्रीय मंच पर युवा खिलाड़ी की उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए बधाई दी। मोदी ने भारत की खेल प्रतिभाओं पर गौरवान्वित होते हुए खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता जैसे टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) का भी जिक्र किया जिसका उद्देश्य भारत के स्टार खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय सुविधायें और वैश्विक कोचिंग विशेषज्ञता की पहुंच मुहैया कराना है ताकि वे शीर्ष स्तर की प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन कर सकें। प्रधानमंत्री ने पत्र में तन्वी की सफलता को देश के उभरते हुए असंख्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया। उन्होंने कहा कि 'टॉप्स' जैसी पहल और खेलों में मौकों के बारे में जागरूकता पैदा करके तन्वी की उपलब्धियों ने सिर्फ खेल संस्कृति ही नहीं बल्कि 'फिट इंडिया' अभियान में भी योगदान दिया है।

कमल नाथ के करीबी सहयोगी और कांग्रेस के कुछ पदाधिकारी भाजपा में शामिल हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। लोकसभा चुनाव से पहले मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ के एक करीबी सहयोगी और विपक्षी कांग्रेस के कुछ अन्य पदाधिकारी सोमवार को सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हो गए। बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश प्रभारी भी भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए।

कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता सैयद जफर भोपाल में मुख्यमंत्री मोहन यादव और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुए।

छिंदवाड़ा के मूल निवासी जफर को कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ का करीबी माना जाता था। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर उनकी प्रोफ़ाइल के अनुसार, वह मप्र कांग्रेस के महासचिव पद की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इस बीच, राज्य कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष के के मिश्रा ने कहा कि जफर फिलहाल पार्टी में कोई पद नहीं संभाल रहे हैं।

इस महीने के शुरु में अटकलें थीं कि कमल नाथ भाजपा में जा सकते हैं, लेकिन उन्होंने ऐसी खबरों को मीडिया की उपज कहकर खारिज कर दिया। सत्तारूढ़ दल भाजपा के एक प्रवक्ता ने कहा कि जफर के अलावा, मध्य प्रदेश कांग्रेस महासचिव मनीषा दुबे, पार्टी के कुछ अन्य नेता और बसपा के प्रदेश प्रभारी रामसखा वर्मा भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कल्याणकारी योजनाओं और भाजपा की नीतियों से प्रभावित होकर भगवा दल में शामिल हो गए।

इस महीने की शुरुआत में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, धार लोकसभा सीट से पूर्व सांसद गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी और कई अन्य कांग्रेस नेता भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए थे।

सेना ने सैन्य अनुप्रयोगों वाली प्रौद्योगिकियों पर काम करने के लिए विशिष्ट इकाई बनाई

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय सेना ने एक विशिष्ट इकाई बनाई है जो क्षेत्र की बदलती प्रकृति को देखते हुए सैन्य उपयोग के लिए 6जी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी भविष्य की संचार प्रौद्योगिकियों का अनुसंधान और मूल्यांकन करेगी। अधिकारियों ने कहा कि 'सिग्नल टेक्नोलॉजी इवेल्यूएशन एंड एडाप्टेशन ग्रुप' (एसटीईएजी) को तार और बेतार प्रणाली के संपूर्ण विस्तार में प्रौद्योगिकियों का पोषित करने का काम सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि एसटीईएजी की स्थापना भविष्य के युद्धक्षेत्र को ध्यान में रखते हुए प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के सेना के प्रयासों का हिस्सा है।

अधिकारियों में से एक ने कहा, यह विशिष्ट प्रौद्योगिकी का उपयोग करने, अत्याधुनिक समाधानों का लाभ उठाने और शिक्षा जगत व उद्योग के साथ सहयोग को बढ़ावा देकर रक्षा अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त मामलों की पहचान करने की क्षमता से लैस अपनी तरह का पहला संगठन होगा। उन्होंने कहा कि विशिष्ट इकाई इलेक्ट्रॉनिक एक्सचेंज, मोबाइल संचार, सॉफ्टवेयर परिभाषित रेडियो, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, 5जी और 6जी नेटवर्क, क्वांटम टेक्नोलॉजीज, एआई, मशीन लर्निंग आदि सहित सभी आगामी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करेगी।

स्व-नियामकीय पारिस्थितिकी का पालन करें भारतीय स्टार्टअप : अमिताभ कांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जी20 समूह के शेरपा अमिताभ कांत ने सोमवार को कहा कि भारतीय स्टार्टअप कंपनियों को पारदर्शिता और नैतिक आचरण के लिए स्व-नियामकीय पारिस्थितिकी तंत्र का पालन करना चाहिए क्योंकि किसी भी कीमत पर मूल्यांकन बढ़ाने की कोशिश कुशासन की राह पर ले जाती है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर भारत एक जीवंत स्टार्टअप आंदोलन खड़ा करना चाहता है तो कोई नियामकीय हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए क्योंकि 'सरकारी विनियमन आने से नवोन्मेषण पर लगाम लगती है।

कांत ने यहां आयोजित 'स्टार्टअप महाकुंभ' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में सक्षम रहा है और अगले पांच वर्षों में इसे दुनिया में स्टार्टअप का सिरमौर बनाना देश के लिए चुनौती है। उन्होंने कहा, स्टार्टअप को स्व-नियामकीय पारिस्थितिकी तंत्र का पालन करना चाहिए क्योंकि इससे हमारे स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में पारदर्शिता और नैतिक व्यवहार आएगा। नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कांत ने स्टार्टअप को 'राष्ट्रीय संपत्ति' बताते हुए कहा कि उन्हें सर्वोत्तम व्यवहार को लागू करना होगा और इसी तरीके से वे निवेशकों को आकर्षित कर पाएंगे और अंततः टिकाऊ वृद्धि हासिल कर पाएंगे। उन्होंने कहा, स्टार्टअप का वृद्धि पर ध्यान देना बेहद अहम है...लेकिन हर कीमत पर मूल्यांकन पर ध्यान कभी-कभी उन्हें कुशासन की ओर ले जाता है।

कांत ने भारत में कुछ स्टार्टअप को पेश आईं चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि स्टार्टअप कंपनियों के सभी अगुवा लोगों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उचित वित्तीय प्रबंधन और ऑडिट हो। उन्होंने कहा, मैंने स्टार्टअप को फलते-फूलते देखा है जबकि बायजू, गोमैकेनिक, हाउसिंग डॉटकॉम और ट्रेल जैसे स्टार्टअप को चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इनके लिए अच्छा कॉरपोरेट प्रशासन होना ही चाहिए।

इनामी नक्सली दंपति ने किया आत्मसमर्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सुकमा/भाषा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में इनामी नक्सली दंपति ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया है। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सुकमा जिले के पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों की किस्टाराम एरिया कमेटी की कृषि शाखा के अध्यक्ष सोड़ी सुक्का उर्फ सोड़ी कोसा (45) और उसकी पत्नी सोड़ी सुक्की (37) ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने बताया कि नक्सली कोसा के सर पर पांच लाख रुपए और सुक्की के सिर पर दो लाख रुपए का इनाम घोषित है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों ने पूना नर्कोम अभियान (नई सुबह, नई शुरुआत) से प्रभावित होकर तथा माओवादी नेताओं के भेदभावपूर्ण व्यवहार से तंग आकर हिंसा का मार्ग छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि नक्सलियों के खिलाफ जिले में पुलिस दल पर हमला करने समेत कई नक्सली घटनाओं में शामिल होने का आरोप है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को राज्य सरकार की पुनर्वास नीति के तहत सहायता प्रदान की जाएगी।

जनता को फिर से शासन नहीं सौंपना चाहता जम्मू कश्मीर प्रशासन : उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुलगाम (जम्मू-कश्मीर)/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को जम्मू कश्मीर प्रशासन पर केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव कराने में ''विघ्न'' डालने का आरोप लगाया और कहा कि मौजूदा सरकार बेताज बादशाहों की तरह शासन करना जारी रखना चाहती है। अब्दुल्ला ने अनंतनाग-राजौरी संसदीय क्षेत्र के लिए पार्टी के चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत करने के बाद यहां संवाददाताओं से कहा, हम लोकसभा चुनावों के साथ ही (विधानसभा) चुनाव भी चाहते थे लेकिन, ऐसा नहीं हुआ। जम्मू कश्मीर के मौजूदा प्रशासन ने चुनाव कराने में विघ्न डाला क्योंकि वे जनता को दोबारा सत्ता नहीं सौंपना चाहते। वे बेताज बादशाहों की तरह शासन कर रहे हैं।

इससे पहले यहां जिले के दमहाल हांजीपोरा में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नेशनल कान्फ्रेंस के नेता अब्दुल्ला ने कहा कि नौकरशाहों ने विधानसभा चुनाव कराने में विघ्न डाला। उन्होंने कहा, विधानसभा

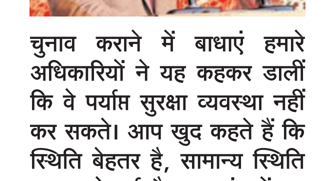

चुनाव कराने में बाधाएं हमारे अधिकारियों ने यह कहकर डालीं कि वे पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं कर सकते। आप खुद कहते हैं कि स्थिति बेहतर है, सामान्य स्थिति बहाल हो गई है, अब बंदूकों का कोई खतरा नहीं है। उन्होंने कहा, यदि बंदूकों का ख़तरा नहीं है, तो आपको ज़्यादा सुरक्षा तैनाती की ज़रूरत नहीं होगी और अगर ज़रूरत नहीं है, तो आपको चुनाव कराना चाहिए था। वास्तविकता यह है कि वे बिगड़ रहे हैं।

जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि निर्वाचन आयोग को इस साल उच्चतम न्यायालय की 30 सितंबर की समय सीमा से पहले विधानसभा चुनाव कराने होंगे, जो शीर्ष अदालत ने अनुच्छेद 370 को रद्द करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई के बाद अपना आदेश पारित करते समय दिया था। उन्होंने कहा, हम ईश्वर का धन्यवाद देते हैं कि उन्हें उच्चतम न्यायालय के अनुसार 30 सितंबर से पहले यहां चुनाव संपन्न कराने होंगे। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने भी कहा है कि समय सीमा से पहले चुनाव होंगे।

विपक्षी दलों की ईवीएम के बारे में शिकायत पर टिप्पणी पूछे जाने पर, अब्दुल्ला ने कहा कि भले ही वह चुनावों में ईवीएम के इस्तेमाल के खिलाफ शिकायत करें, फिर भी उनका इस्तेमाल किया जाएगा क्योंकि ईसीआई फिर से कागजी मतपत्रों का उपयोग करने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा, इसलिए, हमें अपने एजेंटों को सतर्क रखना होगा और किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं होने देनी होगी।

■ फाल्गुन शुक्ल - 10 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 234 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 19-03-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 आरसीबी के अभ्यास शिविर से जुड़े विराट कोहली

6 गौरैया की विलुप्ति की त्रासदी चिंताजनक

7 'दबंग' की अगली कड़ी को निर्देशित करना चाहते हैं अरबाज खान

अज़ान विवाद : अपनी दुकान में भजन सुन रहे शख्स को बुरी तरह पीटा

■ युवा दुकानदार के पिता ने की अपने बेटे को न्याय दिलाने की मांग

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु में हलसुरु गेट पुलिस थाना क्षेत्र में कब्बनपेट इलाके के सिद्दन्नागल्ली स्थित एक दुकान में हनुमानजी के भजन सुन रहे दुकानदार युवक को कुछ युवकों ने बुरी तरह पीट दिया, जिसके बाद लोग आक्रोशित हो गए। मामला कथित तौर पर अज़ान विवाद का बताया जा रहा है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

रविवार शाम को चार-पांच युवकों के एक समूह ने पहले तो दुकानदार के साथ बहस की, उसके बाद उसे बाहर निकालकर पीटा। आरोप है कि दुकानदार मुकेश अपनी दुकान में हनुमानजी के भजन सुन रहा था। इसी दौरान कुछ युवक आए और उन्होंने 'अज़ान' का समय होने की बात कहकर उसकी बुरी तरह पिटाई कर दी।

हालांकि पुलिस ने कहा है कि उसने सोमवार को तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। सभी संदिग्धों की उम्र 20 से 25 साल के बीच है। पुलिस ने बताया कि दुकानदार के तेज आवाज में 'हनुमान चालीसा' बजाने को लेकर विवाद हुआ था। उसने कहा कि आरोप के समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं मिला और शिकायत में भी इसका उल्लेख नहीं है। पुलिस के रवैये पर भी सवाल उठ रहे हैं। पुलिस की एफआईआर के अनुसार, तेज आवाज में संगीत बजाने को लेकर दो पक्षों के बीच झगड़ा हुआ था जबकि दुकान साउंड सिस्टम के स्पीकर आदि की है जिसमें रोज ही दुकानदार भजन आदि बजाता है, ऐसा आसपास के लोगों का कहना है। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर आया, जिसमें युवकों का एक समूह दुकानदार से झगड़ता दिख रहा है। तीखी बहस के बीच उनमें से एक ने दुकानदार का कॉलर पकड़ लिया। पीड़ित ने अपने बचाव में जवाबी कार्रवाई की कोशिश की, लेकिन हमलावरों की संख्या 5-6 थी इसलिए वह सामना नहीं कर पाया। उन्होंने उसे दुकान से बाहर खींचा और जमकर मारपीट की।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'शिकायत के आधार पर हमने हलसुरु पुलिस थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की है और घटना के संबंध में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।' उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 506 (आपराधिक धमकी के लिए सजा), 504 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान), 149 (गैरकानूनी तरीके से एकत्र लोगों में से प्रत्येक व्यक्ति साझा मंशा के तहत अभियोजन में किए गए अपराध का दोषी), 307 (हत्या का प्रयास) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

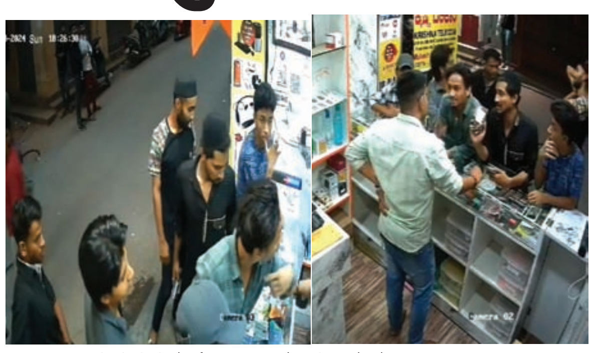

सीसीटीवी में कैद घटना के वीडियो से लिए गएचित्र।

चाकू से वार की धमकी दी!

मीडिया से बात करते हुए दुकानदार मुकेश ने कहा कि मैंने हनुमानजी का भजन चला रखा था। अचानक चार-पांच लोग आए और बोले कि 'अज़ान' का समय हो गया है और अगर भजन चलाओगे तो हम तुम्हें पीटेंगे। उन्होंने मुझे पीटा और धमकी भी दी कि वे मुझ पर चाकू से वार करेंगे।

सिस्टम पर कैसे भरोसा करे आम आदमी?

घटना के बाद बेंगलूरु दक्षिण क्षेत्र के भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या दुकानदार से मुलाकात करने पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के राज में ऐसे चरमपंथी तत्व निर्दोष लोगों को निशाना बनाने के लिए अपने आपको ताकतवर महसूस कर रहे हैं। तेजस्वी सूर्या ने बेंगलूरु पुलिस आयुक्त से आग्रह किया कि वे मामले की तेजी से निष्पक्ष जांच कराएं और आरोपियों को गिरफ्तार करें। उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, 'एक आम आदमी सिस्टम पर, उन लोगों पर भरोसा कैसे कर सकता है, जिन पर सुरक्षा करने, न्याय देने की जिम्मेदारी है, अगर जानबूझकर एफआईआर इस तरह से दर्ज की जाती है कि मुख्य सामग्री को हटा दिया जाए?' उन्होंने कहा, 'जिस सरकार के पास विश्वसनीय, तथ्यात्मक एफआईआर भी नहीं हो सकती, उस पर लोगों को न्याय देने का भरोसा नहीं किया जा सकता है। हमने मुख्यमंत्री, पुलिस अधिकारियों और गृह मंत्री से मांग की है कि पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में कैद है, हम चाहते हैं कि मंगलवार सुबह तक ये सभी उपद्रवी गिरफ्तार किए जाएं।

'शक्ति' पर वार का मतलब देश की माताओं-बहनों पर वार है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के समापन के अवसर पर मुंबई के शिवाजी पार्क में आयोजित एक रैली में कहा था, हिन्दू धर्म में शक्ति शब्द होता है। हम शक्ति से लड़ रहे हैं...एक शक्ति से लड़ रहे हैं।

शिवमोगा/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) पर हिन्दू धर्म में समाहित 'शक्ति' के विनाश का ऐलान करने का आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में नारी और शक्ति का हर उपासक उसे इसका जवाब देगा। यहां एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, कल मुंबई में इंडी गठबंधन की तरफ से एक खुला ऐलान किया गया है। वे लोग हिंदू धर्म में समाहित शक्ति को समाप्त करना चाहते हैं। हिंदू समाज जिन्हें शक्ति मानता है, उस शक्ति के विनाश का उन्होंने ऐलान कर दिया है। अगर शक्ति विनाश का उनका ऐलान है तो शक्ति उपासना का मेरा भी ऐलान है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के समापन के अवसर पर मुंबई के शिवाजी पार्क में आयोजित एक रैली में कहा था, हिन्दू धर्म में शक्ति शब्द होता है। हम शक्ति से लड़ रहे हैं...एक शक्ति से लड़ रहे हैं। अब सवाल उठता है कि वह शक्ति क्या है? जैसे किसी ने यहां कहा कि राजा की आत्मा ईवीएम में है। सही है...सही है कि राजा की आत्मा ईवीएम में है... हिंदुस्तान की हर संस्था में है। ईडी में है, सीबीआई में है, आयकर विभाग में में है। उन्होंने किसी नेता का नाम लिए बिना कहा कि इसी प्रदेश (महाराष्ट्र) के एक वरिष्ठ नेता कांग्रेस पार्टी छोड़ते हैं, और उनकी मां सोनिया गांधी से 'रो कर' कहते हैं कि 'मेरे में इन लोगों से... इस शक्ति से लड़ने की हिम्मत नहीं है... मैं जेल नहीं जाना चाहता।

राहुल गांधी ने आगे कहा, ...और ये एक नहीं हैं। ऐसे हजारों लोग डराए गए हैं। क्या आप सोचते हो कि शिव सेना के लोग, राकांपा के लोग ऐसे ही चले गए (भाजपा में)। नहीं... जिस शक्ति की मैं बात कर रहा हूं ... उन्होंने उनका गला पकड़कर उनको भाजपा की ओर किया है और वह सब डरकर गए हैं।

19-03-2024 सूर्यास्त	20-03-2024 सूर्योदय
6:30 बजे	6:23 बजे

BSE	NSE
72,748.42	22,055.70
(+104.99)	(+32.35)

सोना	चांदी
6,807 रु.	76,466 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चुनावी यूटर्न

लो बजा चुनावी बिगुल पुनः,
दिल्ली में मौसम हुआ गर्म।
जो बदमिजाज बेहया रहे,
उनको भी आने लगी शर्म।
जो लिप्त रहे निज कर्मों में,
वे याद कर रहे लोक धर्म।
हो रहे उग्र जो धारा पर,
वे सब अब होने लगे नर्म।।

चुनावी बॉण्ड की सभी जानकारियों का खुलासा करने एसबीआई को निर्देश

21 मार्च तक खुलासा करे एसबीआई

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को तीसरी बार भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को फटकार लगाते हुए उसे मनमाना रवैया न अपनाने और 21 मार्च तक चुनावी बॉण्ड योजना से संबंधित सभी जानकारियों का ''पूरी तरह खुलासा'' करने को कहा। उच्चतम न्यायालय ने चुनावी बॉण्ड से संबंधित सभी जानकारियों का खुलासा करने को कहा जिसमें विशिष्ट बॉण्ड संख्याएं भी शामिल हैं जिससे खरीददार और प्राप्तकर्ता राजनीतिक दल के बीच राजनीतिक संबंध का खुलासा होगा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पांच सदस्यीय पीठ ने कहा कि इसमें ''कोई संदेह नहीं'' है कि एसबीआई को बॉण्ड की सभी जानकारियों का पूरी तरह खुलासा करना होगा। पीठ में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल हैं। पीठ ने कहा कि निर्वाचन आयोग एसबीआई से जानकारियां मिलने के बाद अपनी वेबसाइट पर तुरंत इन्हें अपलोड करे। पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने 15 फरवरी को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए केंद्र की चुनावी बॉण्ड योजना को रद्द कर दिया था और इसे ''असंवैधानिक'' करार देते हुए निर्वाचन आयोग को चंदा देने वालों, चंदे के रूप में दी गई राशि और प्राप्तकर्ताओं का 13 मार्च तक खुलासा करने का आदेश दिया था। उच्चतम न्यायालय ने 11 मार्च को एसबीआई को बड़ा झटका देते हुए चुनावी बॉण्ड संबंधी जानकारी का खुलासा करने के लिए समयसीमा बढ़ाने का अनुरोध करने वाली उसकी याचिका खारिज कर दी थी।

अवसर समाप्त होने से पहले लाभ उठाएं।
अपनी अपडेटेड रिटर्न आज ही दाखिल करें।

निर्धारण वर्ष 2021-22 की अपडेटेड रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2024

आप निर्धारण वर्ष 2022-23 और निर्धारण वर्ष 2023-24 की अपडेटेड रिटर्न भी दाखिल कर सकते हैं।

अपडेटेड रिटर्न निम्नलिखित मामलों में दाखिल की जा सकती है;

- यदि मूल विवरणी दाखिल नहीं की गई है
- यदि विलंबित विवरणी की समय-सीमा समाप्त हो चुकी है
- यदि आय की घोषणा सही रूप से नहीं की गई है, तो मूल विवरणी में संशोधन के लिए
- यदि आय का गलत शीर्ष चुना गया और गलत दर से कर का भुगतान किया गया
- यदि अग्रनीत हानि या असमायोजित मूल्यह्रास में कमी अपेक्षित हैं
- यदि MAT/AMT क्रेडिट में कमी अपेक्षित हैं
- आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 133 (6) के तहत कटौती/छूट के दावे की सूचना के लिए यदि आपको नोटिस प्राप्त हुआ है, जिसके लिए आपके पास उपयुक्त स्पष्टीकरण/साक्ष्य उपलब्ध नहीं है
- यदि आपने गलत कटौती/छूट का दावा किया है

यदि आप 31.03.2024 तक आईटीआर-यू (अपडेटेड रिटर्न) दाखिल करते हैं	अतिरिक्त कर की देय राशि
निर्धारण वर्ष 2021-22 के लिए	कुल कर और ब्याज का 50% देय
निर्धारण वर्ष 2022-23 और निर्धारण वर्ष 2023-24 के लिए	कुल कर और ब्याज का 25% देय

अधिक जानकारी के लिए,
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 139 (8ए) और 140 (बी) (3) का कृपया संदर्भ लें।
विलंब न करें, आज ही दाखिल करें।

ई-ब्रोशर के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

आयकर विभाग
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड
अधिक जानकारी के लिए www.incometax.gov.in पर जाएं

cbc 15401/13/0024/2324

@IncomeTaxIndia @IncomeTaxIndiaOfficial @IncomeTaxIndiaOfficial @Income Tax India @Income Tax India Official

अजमेर में साबरमती-आगरा कैंट का इंजन व चार डिब्बे पटरी से उतरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। साबरमती-आगरा कैंट ट्रेन का इंजन व चार बोगियां रविवार देर रात अजमेर के पास पटरी से उतर गयीं। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

उत्तर पश्चिम रेलवे के प्रवक्ता कैप्टन शशि किरण ने बताया कि साबरमती-आगरा कैंट गाड़ी संख्या 12548 का इंजन और चार जनरल बोगियां पटरी से उतर गयीं। यह हादसा रविवार देर रात करीब एक बजे अजमेर के पास मदार में होम सिग्नल के पास हुआ। उन्होंने बताया कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ।

रेलवे अधिकारी व कर्मचारियों ने रेल यातायात बहाल करने का काम शुरू किया। यहां 'डाउन लाइन' पर रेल संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। हालांकि, हादसे के कारण छह ट्रेन रद्द कर दी गई हैं।

अनेक गाड़ियों का संचालन भी प्रभावित हुआ है। जिन ट्रेन को रद्द किया गया है उनमें गाड़ी संख्या 12065, अजमेर-दिल्ली सराय रोहिल्ला, गाड़ी संख्या 22987 अजमेर-आगरा फोर्ट, गाड़ी संख्या 09605 अजमेर-गंगापुर सिटी, गाड़ी संख्या 09639 अजमेर-रेवाड़ी, गाड़ी संख्या 19735 जयपुर-मारवाड़ तथा गाड़ी संख्या 19736 मारवाड़-जयपुर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि हादसे के पीछे के कारणों की जांच की जा रही है।

उन्होंने बताया कि रेलवे द्वारा अजमेर स्टेशन पर एक हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है और हेल्पलाइन नंबर 0145-2429642 जारी किया गया है।

एकता, अखंडता को नुक़सान पहुंचाने वाले को टिकट नहीं दिए जाने का उलेमा बोर्ड ने किया स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। केन्द्रीय आल इण्डिया उलेमा बोर्ड ने आगामी लोकसभा चुनाव-2024 में देश की एकता अखंडता और भाईचारे को नुकसान पहुंचाने वालों को टिकट नहीं देने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फैसले का स्वागत करते हुए शुक्रिया अदा किया है। बोर्ड के प्रवक्ता सैय्यद मुजफ्फर अली ने सोमवार को यहां बताया कि मुसलमानों के धार्मिक और सामाजिक बुद्धिजीवी वर्गों की संस्था आल इण्डिया उलेमा बोर्ड के राष्ट्रीय महासचिव अल्लामा बुनई हसनी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर धन्यवाद दिया है तथा मिलने का समय भी मांगा है। बोर्ड के प्रवक्ता सैयद मुजफ्फर अली ने बताया कि बोर्ड ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि भारतीय जनता पार्टी ने इस लोकसभा चुनाव में वैसे नेताओं का टिकट काट कर सराहनीय कदम उठाया है, जिनके विवादस्पद बयानबाज़ी से न केवल देश का माहौल खराब होता है बल्कि प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के मकसद को भी कहीं न कहीं नुकसान पहुंचता है।

उन्होंने बताया कि सांप्रदायिक बयान देने वालों को दरकिनार करना यह दर्शाता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के विकास की रफ्तार को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी प्रकार की बाधा को बर्दाश्त नहीं कर सकते, प्रधानमंत्री की इस सोच को उलेमा बोर्ड सलाम करती है।

अंतरराज्य एटीएम डकैत मुस्ताक गिरफ्तार

अलवर। राजस्थान सहित अनेक राज्यों में एटीएम लूट और डकैती आदि के करीब आधा दर्जन से अधिक मामलों में आरोपी मुस्ताक उर्फ कन्नड़ मेव को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुलिस अधीक्षक आनंद शर्मा द्वारा चलाए जा रहे वांछित आरोपियों की धर पकड़ अभियान के अंतर्गत उक्त आरोपी मुस्ताक उर्फ कन्नड़ (26) को उसके गांव करोली जागीर से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी थाना चंदवाजी जिला जयपुर ग्रामीण के 21 लाख रूपये कि एटीएम डकैती के प्रकरण में वांछित है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ अनेक राज्यों में एटीएम तोड़ने और लूटने के आधा दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं।

'अबकी बार 400 पार' का नारा अब जन-जन की जुबां पर : अरूण चतुर्वेदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रीति और नीतियों से प्रभावित होकर उनके नेतृत्व में अंत्योदय के लिए कंधे से कंधा मिलाकर काम करने का संकल्प लेते हुए आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में विभिन्न राजनैतिक दलों से आए पूर्व विधायक, विधायक प्रत्याशी, जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्यों के साथ सरपंच और तीन दर्जन से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने भाजपा का दामन थामा। इस अवसर पर जालौर के पूर्व विधायक और दलित नेता रामलाल मेघवाल, देवली-उनियारा से आरएलपी प्रत्याशी रहे डॉ. विक्रम सिंह गुर्जर, एससी प्रकोष्ठ जालौर के जिलाध्यक्ष गोकुल परिहार, जालौर जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व महामंत्री रमेश मेघवाल, समाज कल्याण बोर्ड की पूर्व सदस्या भावना गर्ग और फैशन डिजाइनर अर्चना सुराणा सहित अन्य लोगों को मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, ज्वाइनिंग कमेटी के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी और भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया ने भाजपा का दुपट्टा पहनाकर सदस्यता ग्रहण कराई।

सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ज्वाईनिंग कमेटी के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम सभी का एक ही नारा है अबकी बार 400 पार। पीएम मोदी के 10 वर्षों के सुशासन में आम आदमी का जीवन सरल हुआ है। समाज में अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए सैंकड़ो लोक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं।

वहीं प्रदेश की भजनलाल सरकार ने महज तीन महिने में प्रदेश में अपने संकल्प पत्र को पूरा करने के लिए ऐतिहासिक कार्य किये हैं। वहीं कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व आज नशे में है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष यात्रा कर रहे है, उन्हें पार्टी के भीतर क्या हो रहा है इसका मालूम नहीं है। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल, श्रवण सिंह बगड़ी और प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ मौजूद रहे।

एनडीपीएस धारा खत्म करवाना मेरा पहला मुद्दा होगा : आंजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

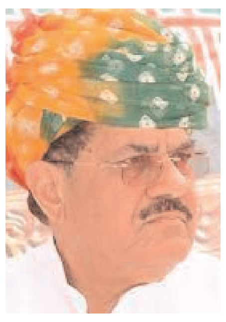

चित्तौड़गढ़। राजस्थान में चित्तौड़गढ़ लोकसभा सीट से कांग्रेस के घोषित उम्मीदवार उदयलाल आंजना ने सोमवार को कहा कि अगर वह संसद में गये तो एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/29 को खत्म करवाना उनका पहला मुद्दा होगा। आंजना ने यहां कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद पत्रकारों से बातचीत में संसदीय राजनीति के प्रमुख अफीम मुद्दे सहित किसानों के हितों पर चुनाव लड़ने की बात कहते हुये स्पष्ट किया कि किसानों का शोषण करने वाली धारा को हटवाना उनका संसद में पहला मुद्दा होगा। इसके साथ ही उन्होंने सीपीएस पद्धति से अफीम खेती को भी बंद करवाने की बात कहने के साथ मादक पदार्थ नियंत्रण पर मनमोहन सरकार द्वारा हस्ताक्षरित अंतरराष्ट्रीय नीति को भी सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी चंद्र प्रकाश जोशी पर एनडीपीएस की धारा 8/29 को किसानों को दबाने के हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुये सवाल किया कि अगर वह आज इस धारा को हटवाना चाहते हैं, तो 10 सालों से क्या कर रहे थे?

इससे पूर्व सम्मेलन में उपस्थित कार्यकर्ताओं से कहा कि वह जिले के कांग्रेस नेता हैं और उनकी उम्मीदवारी से कई खेमों में बंटी कांग्रेस एक हो गयी है और पूरी ताकत से चुनाव लड़कर जीत दर्ज करेंगे। उन्होंने लगातार हार से उत्पन्न हुई मायूसी से बाहर निकलने का आह्वान किया। यह अलग बात है कि आज जिस कार्यकर्ता सम्मेलन में वह शामिल हुये, वह पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिवदयाल शर्मा गुट से जुड़े कार्यकर्ताओं का था जबकि बुधवार को ही शहर में पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह जाड़ावत गुट की ओर से सम्मेलन प्रस्तावित है।

ईडी के सामने हाजिर नहीं हुए पूर्व मंत्री महेश जोशी

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मंत्री महेश जोशी सोमवार को यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यालय नहीं गए। ईडी ने जल जीवन मिशन में कथित घोटाले के सिलसिले में उन्हें सोमवार को तलब किया था। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में पीएचईडी मंत्री रहे जोशी ने कहा कि उन्होंने ईडी द्वारा मांगे गए सभी दस्तावेजों के साथ, जांच एजेंसी के समक्ष उपस्थित होने के लिए 15 दिन का समय मांगा है।

कांग्रेस नेता को शनिवार को नोटिस दिया गया था जिसमें उन्हें सोमवार को सुबह 10.30 बजे ईडी कार्यालय में पेश होने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, जोशी नहीं गए। उन्होंने अपने आवास पर संवाददाताओं से कहा, ईडी ने मुझे कुछ दस्तावेजों के साथ पेश होने के लिए कहा था। मेरे लिए इतने कम समय में सभी दस्तावेज एकत्र करना संभव नहीं था, इसलिए मैंने 15 दिन का समय मांगा है। उनके समय में जल जीवन मिशन के तहत टेंडर प्रक्रिया में कोई अनियमितता नहीं हुई और उन पर लगे आरोप निराधार हैं। जोशी ने कहा, एजेंसियों को बिना किसी दबाव के काम करना चाहिए। राजस्थान में भाजपा सरकार बने तीन माह हो गए, अगर कोई अनियमितता हुई होती तो अब तक कार्रवाई हो चुकी होती।

जाट समाज लोकसभा चुनावों में करेंगे भाजपा के खिलाफ प्रचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। भरतपुर में जाट समाज ने लोकसभा चुनावों को लेकर बीजेपी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक नेम सिंह फौजदार के घर जाट समाज की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें तय किया गया कि, बीजेपी सरकार ने उन्हें आरक्षण न देकर उनके साथ विश्वासघात किया है। इसलिए वह जिलेभर के गांव-गांव जाकर बीजेपी के खिलाफ प्रचार करेंगे।

इसके लिए जाट समाज ने बीजेपी के खिलाफ पोस्टर भी छपवाएं हैं। जिसका आज विमोचन किया गया।आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक नेम सिंह फौजदार ने कहा कि, भरतपुर धौलपुर के जाट समाज का जो केंद्र में आरक्षण का मुद्दा था।

उसके लिए जाट समाज ने जयचौली में महापड़ाव किया। जिसमें सीएम ने उन्हें आश्वस्त किया था। जिसमें जाट समाज ने कसम खाई थी कि, अगर आचार संहिता से पहले जाट समाज को आरक्षण नहीं मिला तो, जाट समाज लोकसभा चुनावों में अपने मत का प्रयोग किस तरह करेगा। उसके लिए आज बैठक की है।

बैठक में संघर्ष समिति के सभी सदस्य आये हैं। बुधवार को 11 बजे आरक्षण संघर्ष समिति रणनीति बनाएगी। जिसमें हर विधानसभा से 11-11 सदस्य मौजूद रहेंगे। जिसमें फैसला लिया जाएगा कि, जाट समाज के अपमान का बदला समाज किस तरह से लेगा।

पत्नी को स्कूटर पर बैठाकर तंग गलियों से मंदिर पहुंचे शेखावत, फाग मंडली के साथ बजाए मंजीरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। लोकसभा चुनावों के नजदीक जाते-जाते मैदान में उतरे प्रत्याशियों ने अपने-अपने तरीके से प्रचार का मोर्चा खोल दिया है। जोधपुर संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी गजेंद्र सिंह शेखावत रविवार देर रात धर्मपत्नी नोनद कंवर के साथ स्कूटर पर जोधपुर की तंग गलियों से गुजरकर शहर के भीतरी क्षेत्र में श्री गंगश्याम जी मंदिर और कुंजबिहारी मंदिर पहुंचे।

मंदिर पहुंचकर उन्होंने यहां आयोजित फाग उत्सव में जमकर उपस्थिति दर्ज कराई। फाग मंडलियों के बीच पहुंचे शेखावत खुद को होली गीतों से दूर नहीं रख पाए। यहां उन्होंने बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया। शहर की तंग गलियों के बारे में शेखावत ने कहा कि मुझे लंबे अरसे बाद पत्नी को दुपहिया वाहन पर घुमाने का मौका मिला। इस दौरान शहर में अनेक स्थानों पर गणमान्य लोगों से भी मिलना हुआ।

सम्मेलन

जयपुर में सोमवार को लघु उद्योग भारती के जयपुर अंचल द्वारा आयोजित 'उद्यमी सम्मेलन' में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी शामिल होकर उद्यमियों का उत्साहवर्धन किया।

सी-विजिल एप से आमजन कर सकेंगे आदर्श आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हनुमानगढ़। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आमजन की सुविधा के लिये सी-विजिल एप संचालित किया है। एप के माध्यम से आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत कर सकते हैं। एप पर की गई शिकायत पर 100 मिनट में कार्यवाही होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुसार अगर आमजन को चुनाव में कहीं शराब, धन बांटने की जानकारी मिलती है या मतदाताओं को ले जाने के लिए वाहन लगे हों या कोई फेक, पेड़ न्यूज दिखाई दे तो सी-विजिल एप पर शिकायत दर्ज करवाई जा सकती है। शिकायतों पर महज 100 मिनट में कार्यवाही होगी। आमजन को सिर्फ एक फोटो या वीडियो बना कर चुनाव आयोग के सी-विजिल एप पर अपलोड करना है। निर्वाचन विभाग तुरंत हरकत में आएगा और कार्यवाही शुरू हो जाएगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी काना राम ने आमजन से अपील की है कि आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में सी-विजिल एप के माध्यम से शिकायत करें। इस पर तुरंत कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि सी-विजिल एप पर आम नागरिक हथियारों का प्रदर्शन, मतदाताओं को प्रलोभन के लिए निःशुल्क उपहारों का वितरण, मतदाताओं को परिवहन साधनों से वोट डालने ले जाना, फेक न्यूज, डराना-धमकाना, सार्वजनिक प्रोपर्टी पर विज्ञापन, धन वितरण, हेट स्पीच, सांप्रदायिक भाषण एवं शराब व नशीले पदार्थ का वितरण सम्बन्धित शिकायत कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता के चाहने पर उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा। एप पर फोटो या वीडियो अपलोड करना होगा। शिकायतकर्ता को यह भी लिखने की जरूरत नहीं होगी कि वह कहां है। यानी इस ऐप के जरिए मतदाता भी चुनाव में निगरानी रख सकते हैं। ऐप के माध्यम से मतदाता फोटो और वीडियो के साथ जहां गड़बड़ी हो रही हो, उस स्थान की लोकेशन स्वतः अटेच रहेगी और विवरण लिखकर पूरी जानकारी उपलब्ध करवा सकते हैं। जागरूक नागरिकों के लिए सिटीजन विजिल एप है। यह एप एंड्रॉयड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। एंड्रॉयड यूजर इसे गूगल प्ले स्टोर से और एपल यूजर एप स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। इंस्टॉल करने पर कैमरा, लोकेशन, ऑडियो और फाइल्स एक्सेस करने की अनुमति मांगी जाती है। इसके बाद भाषा चुनने का विकल्प मिलता है। इस एप में झूठी शिकायत रोकने के लिए लाईव फोटो, वीडियो एवं ऑडियो भेजने की सुविधा दी गई है। निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव के लिए यह एप प्रभावी भूमिका निभाएगा।

चातुर्मास व शिवबाड़ी जिनालय में अंजनशलाका प्रतिष्ठा का मंगलाचरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ के आचार्य जिन पीयूष सागर म.सा. के चातुर्मास व उनके सान्निध्य में 30 जून को शिवबाड़ी के जीर्णोद्धार के बाद नव निर्मित गंगेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय में अंजनशलाका प्रतिष्ठा के कार्यक्रमों का मंगलाचरण रविवार को देव व गुरु के स्मरण वंदन से जाजम में हुआ। जाजम में जैन समाज के गणमान्य श्रावक-श्राविकाओं ने उत्साह से हिस्सा लिया तथा आचार्य के चातुर्मास के कार्यक्रमों में तन, मन व धन से सहयोग का संकल्प दोहरया। जिनेश्वर युवक परिषद के मंत्री मनीष नाहटा ने बताया कि सुगनजी महाराज के उपासरे में जाजम श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ श्रीसंघ, श्री पार्श्वनाथ जिन मंदिर जीर्णोद्धार ट्रस्ट, शिवबाड़ी, श्री गंगेश्वर पार्श्वनाथ प्रतिष्ठा समिति, श्री जिनेश्वर युवक परिषद के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। जाजम का प्रेरणामय मार्गदर्शन सिरोही के शासन रत्न से सम्मानित मनोज कुमार बाबूमल हरण, सूरत के बीकानेर प्रवासी पवन पारख, सुगनजी महाराज उपासरा ट्रस्ट के मंत्री रतन लाल नाहटा, भीखम चंद बरड़िया, आदि ने हिस्सा लिया। नाहटा ने बताया कि जाजम में आदिनाथ भगवान व महावीर स्वामी की 27 इंच प्रतिमा परिकर सहित, मूलनायक का संयुक्त परिकर, अंजन के लिए नौ इंची भगवान पार्श्वनाथ भगवान, गणधर गौतम स्वामी की 21 इंच प्रतिमा परिकर युक्त 11 गणधर सहित, मणिधारी दादा गुरुदेव की प्रतिमा चारों दादा गुरुदेव युक्त परिकर सहित,नाकोड़ा भैरवदेव परिकर सहित, पद्मावती माता की प्रतिमा परिकर सहित, पार्श्वनाथ भगवान की पंच धातु प्रतिमा, शंखेश्वर पार्श्वनाथ प्रतिमा, नाकोड़ा पार्श्वनाथ प्रतिमा परिकर सहित (सभी 11 इंची), पांच मंगल मूर्तियों के साथ नित्य आंगी, रोशनी, बहुमान, नगरी उद्घाटन, अंजन शलाका के समस्त पात्र, भगवान के मुनिमजी के विभिन्न पटट्, गुरु प्रवेश सामैया, गांव सांझी, मेहंदी वितरण, अन्य अंजन प्रतिष्ठा संधी चढ़ावें की भागीदारी तय की गई।

प्रदेश में कमल का फूल खिलाना है : जोशी

जयपुर। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी की अध्यक्षता में भाजपा ऑफिस में पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता, पैनेलिस्ट, कलस्टर प्रभारी, संभाग मीडिया संयोजक और प्रदेश मीडिया कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक हुई। बैठक में जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन कल्याणकारी नीतियों को अधिक से अधिक प्रचारित करने में मीडिया की अहम भूमिका है। लोकसभा चुनावों की आचार संहिता लगने के साथ ही प्रदेश में अधिकांश सीटों पर लोकसभा कार्यालय एंव मीडिया सेंटर शुरू हो चुके हैं।

ऐसे में अब मीडिया सेंटर से मोदी द्वारा युवा, गरीब, किसान और महिला उत्थान के लिए किए गए कार्यों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करना है। प्रदेश की सभी 25 सीटों पर कमल का फूल खिलाना है और फिर एक बार मोदी सरकार लानी है। प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर ने कहा कि मोदी की रीति और नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें। प्रवक्ताओं और पैनेलिस्टों को विभिन्न विषयों पर चर्चा करने के साथ ही अपने अनुभवों को एक दूसरे के साथ शेयर करना होगा। बैठक में प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ ने मीडिया सदस्यों के दायित्व पर चर्चा की।

आचार संहिता लागू होने के बाद रिकॉर्ड 17 करोड़ से अधिक मूल्य की अवैध सामग्री जब्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। लोकसभा आम चुनाव - 2024 के मद्देनजर निर्वाचन विभाग के निर्देश पर प्रदेश में विभिन्न एनफोर्समेंट एजेंसियों ने आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद रिकॉर्ड 17 करोड़ रूपए से ज्यादा का ड्रग्स, शराब, कीमती धातुएं, फ्रीबीज व नगदी पकड़ा है। इसी तरह 1 मार्च से अब तक एजेंसियों ने 115 करोड़ रु. कीमत से ज्यादा के ड्रग्स, शराब, सोना, फ्रीबीज व नगदी पकड़ा है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में अलग-अलग एजेंसियों की ओर से जारी रिपोर्ट में ये जानकारी दी गयी है। 1 मार्च 2024 से अब तक 2 करोड़ 41 लाख रू कैश, ड्रग्स लगभग 51.56 करोड़ रूपए, शराब 6 करोड़ 71 लाख रूपए और सोना- चांदी जैसी कीमती धातुओं की 8 करोड़ 56 लाख रूपए की जब्ती की गयी है, 46 करोड़ रूपए की अन्य सामग्री जबकि फ्रीबीज 22 लाख की जब्ती की गयी है। 18 करोड़ 70 लाख रूपए के साथ जोधपुर जिले में सबसे ज्यादा सीजर हुआ है। दूसरे स्थान पर 11 करोड़ 5 लाख के साथ जयपुर, तीसर स्थान पर गंगानगर ने 9 करोड़ 95 लाख, चौथे स्थान पर भीलवाड़ा 8 करोड़ 35 लाख और पांचवे स्थान पर टोंक ने 5 करोड़ 93 लाख रूपए की जब्ती की है।

देश की नारी शक्ति वोटर नहीं, मां शक्ति स्वरूपा है : मोदी

शिवमोग्गा में विशाल जनसभा को किया संबोधित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिवमोग्गा में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित किया। नरेंद्र मोदी ने कहा, हम सभी के लिए आपका ये प्यार आशीर्वाद जनसमर्थन की ये लहर कर्नाटक के कोने-कोने में भाजपा को मिल रहा है, अपार जन समर्थन, ये ऊर्जा, ये दृश्य अपने आप में ऐसा लगा है कि पूरा मैदान ऊर्जा से भरा हुआ है। दूसरी तरफ भ्रष्टातार और तुष्टिकरण में डूबे इंडि गठबंधन की नींद उड़ गई होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, कुछ ही महीनों में कांग्रेस की सरकार ने कर्नाटक की साख को बहुत बड़ा धक्का लगा दिया है। मैं कांग्रेस के प्रति कर्नाटक के लोगों का आक्रोश देख रहा हूं, उनका गुस्सा समझ रहा हूं कांग्रेस सरकार के ऐसे रवैये के बीच बहुत जरूरी है कि कर्नाटक की लोकसभा की हर सीट पर भाजपा-छऊ- को विजय मिले। छऊ- के सांसद कर्नाटक के लोगों की सेवा के लिए काम करेंगे। यहां केंद्र की योजनाओं को अच्छी तरह से लागू करने में मदद करेंगे। नरेंद्र मोदी ने कहा, इंडि गठबंधन की ओर से एक खुला एलान किया गया है। वे लोग हिंदू धर्म में समाहित शक्ति को समाप्त करना चाहते हैं। हिंदू शक्ति को समाप्त करने का उन्होंने बेड़ा उठाया है। हिंदू समाज जिसे शक्ति मानता है उस शक्ति के विनाश का उन्होंने एलान कर दिया है। अगर शक्ति के विनाश का उनका एलान है तो शक्ति की उपासना का हमारा भी एलान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कई राजनीतिक जानकार कहते रहे हैं कि नारी शक्ति मोदी की साइलेंट वोटर है। लेकिन मेरे देश की नारी शक्ति वोटर नहीं, बल्कि मां शक्ति स्वरूपा है।

मोदी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि 'कर्नाटक सरकार कई मुख्यमंत्रियों वाली सरकार है। कर्नाटक में सीएम, फ्यूचर सीएम, सुपर सीएम, शैडो सीएम के साथ दिल्ली का कलेक्शन सीएम भी है। यहां के लोगों को कांग्रेस का कर्ज उतारने के लिए काम करना होगा।' कर्नाटक की जनता कांग्रेस सरकार से नाराज है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीजेपी-एनडीए सांसदों को इसी गुस्से की वजह से सभी सीटें जीतने का भरोसा है।

पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा ने कहा कि मोदीजी भारत की उम्मीद हैं। विश्व नेता होने के साथ-साथ मोदीजी ने कर्नाटक में चुनावी बिगुल बजा दिया है। मोदीजी की सरकार सिर्फ चुनाव के लिए काम नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि उन्होंने सीमा सुरक्षा, किसानों के लिए किसान सम्मान योजना लागू करना, कश्मीर की स्वायत्तता के लिए धारा 370 को रद्द करना और श्री राम मंदिर का निर्माण सहित भारत को दुनिया की पांचवीं सबसे मजबूत आर्थिक शक्ति के रूप में उभरने का मौका दिया है।

शिवमोग्गा में प्रधानमंत्री का जोरदार स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा। सोमवार को दोपहर पौने चार बजे के समय प्रधानमंत्री नरेन्द्रमोदी शिवमोग्गा पहुंचे। यहां आयोजित एक जनसभा में वह एक खुली गाड़ी में लोगों को अभिवादन स्वीकार करते हुए मंच पर पहुंचे। बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने भारत माता की जय, नामेला परिवार-मोदी परिवार का नारा लगाया। कई लोगों ने फूल भी बरसाये। मंच पर पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा, उडुप्पी चिकमंगलूरु निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार कोटा श्रीनिवास पुजारी, केन्द्रीय मंत्री ए नारायण स्वामी, प्रदेश अध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुरप्पा, सांसद बीवाई राघवेन्द्रा, दक्षिण कन्नड़ उम्मीदवार ब्रिजेश चौटा, तत्काल पूर्व राष्ट्रीय सचिव सीटी रवि, बेंगलूरु ग्रामीण उम्मीदवार डॉ. सीएन मंजुनाथ,विधायक सुनील कुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष बैराती बसवराजू, हरथलु हलप्पा, पूर्व मंत्री अरगा ज्ञानेन्द्र, वरिष्ठ सदस्य डीएच शंकर मूर्ति, दावणगेरे उम्मीदवार गायत्री सिद्देश्वर, सांसद जीएम सिद्देश्वर आदि उपस्थित थे।

ईश्वरप्पा प्रधानमंत्री मोदी की रैली में शामिल नहीं हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा। हावेरी सीट से लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए बेटे को टिकट नहीं मिलने पर बगावत का झंडा बुलंद करने वाले भाजपा के वरिष्ठ नेता के.एस. ईश्वरप्पा सोमवार को यहां आयोजित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली में शामिल नहीं हुए। ईश्वरप्पा के इस कदम से पार्टी को असहज स्थिति का सामना करना पड़ा। कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण ठुकराने वाले 75 वर्षीय पूर्व उपमुख्यमंत्री ईश्वरप्पा को विभिन्न समुदायों के मठों का दौरा करते देखा गया। ईश्वरप्पा ने घोषणा की है कि वह लोकसभा चुनाव में शिमोगा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री येडीयुरप्पा के बड़े बेटे बी.वाई. राघवेंद्र शिमोगा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री ईश्वरप्पा हावेरी लोकसभा सीट से अपने बेटे के. ई. कांतेश को टिकट नहीं दिए जाने से नाराज हैं। भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई को हावेरी से टिकट दिया है। ईश्वरप्पा ने आरोप लगाया है कि संसदीय बोर्ड के सदस्य येडीयुरप्पा ने कांतेश को हावेरी से टिकट देने का वादा किया था, लेकिन वह अपने वादे से मुकर गये।

ईश्वरप्पा को जल्दी ही मना लिया जाएगा : विजयेंद्र

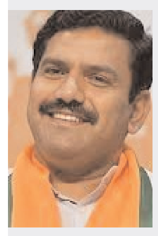

शिवमोग्गा। वरिष्ठ भाजपा नेता के. एस. ईश्वरप्पा के बगावती सुर के बीच पार्टी की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने सोमवार को इस मुद्दे के सुलझने का भरोसा जताया और कहा कि चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं मिलने पर उम्मीदवारों का नाराज होना स्वाभाविक है। कर्नाटक में भाजपा को मजबूती देने में ईश्वरप्पा के योगदान को स्वीकार करते हुए विजयेंद्र ने कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों का फैसला पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने किया है और यह उनका फैसला नहीं था। ईश्वरप्पा के निर्दलीय चुनाव लड़ने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने विश्वास जताया कि सब कुछ जल्द ही सुलझा लिया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कोयंबटूर में रोड शो किया

कोयंबटूर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां रोड शो किया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने लगातार 'मोदी, मोदी' के नारे लगाए और पारंपरिक संगीत की धुन बजाकर उनका स्वागत किया। मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा कार्यक्रम को अनुमति दिए जाने के कुछ दिनों बाद कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच यह रोड शो हुआ। शुरुआत में पुलिस ने क्षेत्र की सांप्रदायिक रूप से ''संवेदनशील प्रकृति'' एवं जारी परीक्षा सहित अन्य कारणों का हवाला देते हुए रोड शो के लिए अनुमति देने से इनकार कर दिया था।

॥ होलिका दहन का मुहूर्त ॥

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शास्त्रों में विधान है कि प्रदोष काल में लगने वाली पूर्णिमा तिथि को भद्रा रहित काल में होलिका दहन किया जाता है। इसलिए इस बार होली का पर्व 24 मार्च को मनाया जाएगा और अगले दिन 25 मार्च को रंगोत्सव का पर्व मनाया जाएगा। 24 मार्च को भद्रा प्रारंभ सुबह 9 बजकर 57 मिनट से हो रही है, जो रात्रि 11 बजकर 15 मिनट तक रहेगी। इसके बाद रात्रि 11 बजकर 15 मिनिट से 12 बजकर 25 मिनिट तक बुध-चन्द्र की होरा में होलिका दहन करना शुभ रहेगा।

पंडित जगदीश आचार्य
मोबाइल : 9448417398

जयराम रमेश ने शिवमोग्गा में मोदी की रैली से पहले उठाए महत्वपूर्ण मुद्दे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के कांग्रेस प्रमुख नेता जयराम रमेश ने कर्नाटक के शिवमोग्गा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली से पहले राज्य को प्रभावित करने वाले कई मुद्दों को उठाया। रमेश ने 'एक्स' पर कई महत्वपूर्ण मुद्दों को सुलझाने के लिये केंद्र सरकार से सहायता की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सबसे पहले कर्नाटक में गंभीर जल संकट पर जोर दिया, जिससे अधिकांश तालुका प्रभावित हुए और तत्काल सूखा राहत उपायों की आवश्यकता हुई। उन्होंने इस संकट से निपटने के लिए केंद्र सरकार से राज्य सरकार द्वारा मांगी गयी 18172 करोड़ की सहायता के मुद्दे को रेखांकित किया। दूसरी ओर उन्होंने कर्नाटक में मनरेगा योजना को लागू करने के संबंध में मोदी सरकार ने सहयोग की कमी पर सवाल उठाये।

उन्होंने कहा, मैंने इस संकट से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए केंद्र सरकार से 18,172 करोड़ रुपये की सहायता के लिए राज्य सरकार के अनुरोध पर प्रकाश डाला है। दूसरे, मैंने कर्नाटक में मनरेगा योजना के कार्यान्वयन के संबंध में नरेंद्र मोदी सरकार से समर्थन की कमी पर सवाल उठाया है।

उन्होंने योजना के विस्तार और श्रमिकों को वेतन भुगतान के लिए समय पर धन जारी करने का आह्वान किया, विशेष रूप से ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर सूखे के प्रभाव को कम करने के लिए मनरेगा के तहत कार्य दिवसों को 100 से बढ़ाकर 150 करने के प्रस्ताव विचार करने की अपील की। तीसरा, रमेश ने अन्न भाग्य योजना में व्यवधानों के बारे में चिंता जताई और मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि वह शुरू में कर्नाटक को चावल की आपूर्ति करने के लिए सहमत हुई थी लेकिन बाद में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के माध्यम से इससे पीछे हट गई।

बेंगलूरु के नगरथपेट स्थित पीड़ित की दुकान पर उससे मिलते हुए सांसद तेजस्वी सूर्या, पीसी मोहन, विधायक उदय गरुड़ाचार एवं अन्य।

दुकानदार द्वारा हनुमान चालीसा बजाने पर मुस्लिम युवकों ने किया जानलेवा हमला

दो भाजपा सांसदों ने दुकानदार से भेंट कर न्याय दिलाने का दिया आश्वासन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के व्यवसायिक क्षेत्र नगरथपेट में 26 युवा मुकेश एक मोबाइल दुकान चलाता है। रविवार को अपनी दुकान पर रोज की तरह स्पीकर पर भजन व हनुमान चालीसा का पाठ लगा दिया। इस पर समुदाय विशेष के करीब 6-7 युवक आए और मुकेश से हनुमान चालीसा बंद करने की बात कही। इस पर मुकेश ने उनकी बात का विरोध करते हुए कहा कि मैं तो अपनी दुकान में हनुमान चालीसा चला रहा हूँ, आपको क्या परेशानी है?तो उन युवकों ने कहा कि हमारी अजान का समय है इसलिए तुम हनुमान चालीसा बंद करो। इस प्रकार वे दुकानदार मुकेश को धमकाने व उकसाने लगे।

दुकानदार पर किया जानलेवा हमला

आपसी बातचीत बढ़ते बढ़ते हाथापाई की नौबत आ गई। पहले मुकेश ने उन युवकों का दुकान के अंदर खड़े खड़े विरोध किया अपने बचाव में उन्हें धक्का देने की कोशिश की परन्तु मुस्लिम समुदाय के युवकों ने उसे दुकान से बाहर खींच लिया और सभी ने मिलकर उस पर जानलेवा हमला कर दिया। मुकेश ने बताया कि उसे सड़क पर गिराकर इन लोगों ने लात मुक्कों से वार किया तथा कुछ धारदार वस्तु से भी उस पर हमला किया

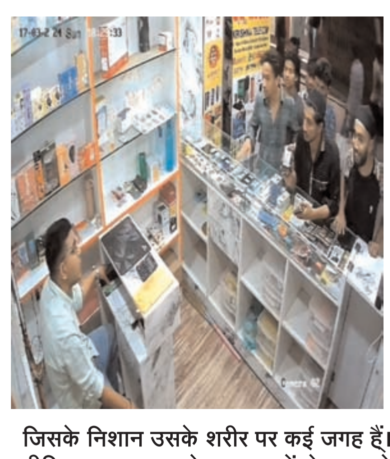

जिसके निशान उसके शरीर पर कई जगह हैं। पीड़ित दुकानदार को इन युवकों ने जान से मारने की धमकी भी दी।

पीड़ित दुकानदार ने बताया कग उसने इस घटना की शिकायत कब्बनपेट पुलिस थाने में करने की कोशिश की परन्तु थाने में उसकी शिकायत लेने से मना कर दिया। जब बेंगलूरु सेन्ट्रल लोकसभा क्षेत्र के सांसद पीसी मोहन, बेंगलूरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या ने हस्तक्षेप किया व दबाव डाला तब पुलिस ने शिकायत दर्ज की।

भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

इस घटना पर कर्नाटक भाजपा ने कांग्रेस सरकार की आलोचना की है। कर्नाटक भाजपा ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'कट्टरपंथी चरमपंथी तत्वों ने सड़कों पर कब्जा कर लिया है और खुलेआम हिंदुओं को आतंकित कर रहे हैं।' भाजपा ने कहा कि कांग्रेस के घोर तुष्टिकरण का खामियाजा कर्नाटक के लोग भुगत रहे हैं। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के कृपापात्र 'हनुमान चालीसा' का जाप करने वाले हिंदुओं को आतंकित कर रहे हैं। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस के शासन में हिंदू दोयम दर्जे के नागरिक बन गए हैं, जिनके जीवन की कोई सुरक्षा नहीं है। 'कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से कर्नाटक में धर्मतंत्र हावी हो गया है।' भाजपा ने हमले का वीडियो भी शेयर किया।

विरोध में आज करेंगे हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ

सांसद तेजस्वी सूर्या एवं सांसद पी सी मोहन, चिकपेट विधायक उदय गरुड़ाचार्य आदि ने सोमवार को दोपहर में मुकेश से उनकी दुकान पर मुलाकात की। उन्होंने इस घटना की निंदा करते हुए मुकेश को सहयोग का आश्वासन दिया। तेजस्वी ने कहा कि इस घटना के विरोध में मंगलवार को अपरान्ह 12.30 बजे पूरे नगरथपेट क्षेत्र में सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा। उन्होंने बेंगलूरु पुलिस आयुक्त से निवेदन किया कि पुलिस शीघ्र इस संवेदनशील घटना का संज्ञान लेकर आरोपियों की तुरंत गिरफ्तार करे। उन्होंने कहा कि यदि आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो हम पूरे शहर में आंदोलन करेंगे।

राज्यपाल के खिलाफ तमिलनाडु सरकार की याचिका पर शीघ्र सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) विधायक के. पोनमुडी को राज्य मंत्रिमंडल में शामिल करने के लिए राज्यपाल आर. एन. रवि को निर्देश देने की मांग वाली तमिलनाडु सरकार की याचिका पर शीघ्र सुनवाई करेगा।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और पी विल्सन की दलीलें सुनने के बाद शीघ्र सुनवाई के लिए मामले को सूचीबद्ध करने की उनकी गुहार स्वीकार की।

पीठ की ओर से न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने सिंघवी से कहा कि वह मामले की शीघ्र सुनवाई की गुहार से संबंधित ईमेल भेजें। मुख्य न्यायाधीश ने आगे कहा, हम इस पर गौर करेंगे। ज्ञातव्य है कि श्री पोनमुडी आय से अधिक संपत्ति के एक मुकदमे में आरोपी हैं और उच्चतम न्यायालय ने 11 मार्च को उनकी सजा पर रोक लगा दी थी। शीर्ष अदालत के इस आदेश के बाद उनकी विधानसभा की सदस्यता बहाल कर दी थी। इसके बाद मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल करने की सिफारिश की, लेकिन राज्यपाल ने पोनमुडी को मंत्री पद की शपथ दिलाने से इनकार कर दिया था। राज्यपाल ने इस आधार पर इनकार कर दिया कि श्री पोनमुडी की सजा रद्द नहीं की गई, बल्कि सिर्फ रोक लगाई गई है।

भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बोम्मई ने की बैठक

गदग/दक्षिण भारत । यहां सोमवार को गदग जिले के गजेन्द्रगढ़ कस्बे में रूण विधानसभा क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने भाग लिया। उन्होंने क्षेत्र के लोगों को संबोधित भी किया। इस मौके पर रूण के पूर्व विधायक कलाकप्पा बंदी, विधायक अरविंद बेलाडा, भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष राजू कुराडगी, रूण मंडल के अध्यक्ष मुत्तन्ना कडगाडा सहित अनेक कार्यकर्ता और नेता उपस्थित थे। कार्यक्रम में हिस्सा लेने के पूर्व बसवराज बोम्मई ने मकालजारी गांव के आंजनैय्या स्वामी मंदिर में जाकर आशीर्वाद भी प्राप्त किया।

नारायण मूर्ति ने चार माह के पोते को तोहफे में दिए 240 करोड़ के शेयर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। देश की दूसरी सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति ने अपने चार महीने के पोते एकाग्र रोहन मूर्ति को 240 करोड़ रुपये से अधिक के शेयर उपहार में दिए, जिससे वह परिवार में सबसे कम उम्र के करोड़पति बन गए। 'एक्सचेंज फाइलिंग' से पता चला है की इंफोसिस में एकाग्र के पास अब 15 लाख शेयर हैं, जो 0.04 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। इस उपहार के बाद इंफोसिस में नारायण मूर्ति की हिस्सेदारी 0.40 प्रतिशत से घटकर 0.36 प्रतिशत रह गई, जो 1.51 करोड़ से अधिक शेयरों का प्रतिनिधित्व करती है। यह लेन-देन ऑफ़-मार्केट किया गया है।

नारायण मूर्ति और उनकी पत्नी एवं लेखिका सुधा मूर्ति पिछले साल नवंबर में दादा-दादी बने, जब उनके बेटे रोहन मूर्ति और उनकी पत्नी अपर्णा कृष्णन के घर बेटे का जन्म हुआ। मूर्ति दंपती की दो नातिनें भी हैं। उनकी बेटी अक्षता मूर्ति की शादी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से हुई है। मूर्ति ने 1981 में छह अन्य सह-संस्थापकों के साथ इंफोसिस की स्थापना की। इंफोसिस भारत की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनियों में से एक है और इसने भारत के आईटी उद्योग के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

नकली डायमंड खरीदने से बाल बाल बचा हैदराबाद का हीरा व्यापारी

बेंगलूरु। एक ऑनलाइन बातचीत के दौरान कम कीमत में डायमंड खरीदने के लिए हैदराबाद से बेंगलूरु आए एक व्यापारी ठगी होने से बाल बाल बच गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार हैदराबाद के लक्ष्मीनारायण नामक एक व्यापारी को बेंगलूरु के रवि नामक एक व्यक्ति से व्हाट्सअप फोन आता है और रवि बताता है कि उसके पास दस करोड़ रुपए मूल्य के बहुमूल्य पुराने डायमंड हैं और वह उन्हें बेचना चाहता है। पैसे की जरुरत बताकर रवि ने लक्ष्मीनारायण को हीरों को कम कीमत पर बेचने का प्रलोभन देकर बेंगलूरु आने का लालच दिया। अपनी बात का भरोसा दिलाने के लिए रवि ने कहा कि लक्ष्मीनारायण स्वयं बेंगलूरु आ जाए और हीरों की जांच कर खरीद कर ले।

सुविचार

अगर पैसे और संबंध दोनों में से एक को महत्व देना पड़े, तो जनाब संबंध बचाना, पैसे तो आते जाते रहेंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

फिर निशाने पर ईवीएम

अभी लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की सिर्फ घोषणा हुई है, लेकिन कुछ राजनीतिक दलों ने ईवीएम को निशाना बनाना शुरू कर दिया। उनका यह रुख हैरान करने वाला है। जब चुनाव आयोग पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि ईवीएम पूरी तरह से सुरक्षित है, इन दलों को बुलाकर इनकी आशंकाओं के निवारण की कोशिश कर चुका है, तो अब इस मुद्दे को क्यों उठाया जा रहा है? क्या इन राजनीतिक दलों को अब भी विश्वास नहीं है? कांग्रेस का यह बयान कि 'वह ईवीएम के नहीं, बल्कि उसमें हेरफेर के खिलाफ है', का मतलब वही निकलता है। पिछले एक दशक में विपक्षी दलों ने ईवीएम की विश्वसनीयता पर कई बार सवाल उठाए हैं, लेकिन वे अपने संदेह के पक्ष में ठोस सबूत नहीं दे सके। अगर मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव हार जाएं तो ईवीएम में गड़बड़ है। अगर तेलंगाना में चुनाव जीत जाएं तो यह नेतृत्व का करिश्मा है। अगर गुजरात में चुनाव हार जाएं तो उसका ठीकरा ईवीएम के सिर, अगर हिमाचल प्रदेश में चुनाव जीत जाएं तो खुशी की लहर! ईवीएम के निर्माण से लेकर उन्हें मतदान स्थलों तक पहुंचाने और वहां से मतगणना केंद्रों तक लाने में केंद्र सरकार और राज्य सरकार के कर्मचारी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन सबके बीच, जब मतदान के बाद ईवीएम जमा करा दी जाती हैं तो वहां सशस्त्र बलों का कड़ा पहरा होता है। उसके आस-पास भी किसी को जाने नहीं दिया जाता। अगर कोई व्यक्ति संदिग्ध हरकत करता पाया गया तो कठोर कार्रवाई हो सकती है। क्या इतने बड़े स्तर पर विशेषज्ञों और सरकारी मशीनरी को तैनात कर देने के बाद भी कोई व्यक्ति हजारों-लाखों ईवीएम के आंकड़े बदल सकता है?

साल 2022 में उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के बाद ईवीएम के साथ कथित छेड़छाड़ की आशंकाओं के मद्देनजर समाजवादी पार्टी के एक उम्मीदवार वाहन में बैठकर स्ट्रांग रूम पर दूरबीन से कड़ी नजर रख रहे थे। उनके कार्यकर्ता भी इस काम में योगदान दे रहे थे। जब नतीजे आए तो वे सात हजार से ज्यादा मतों के अंतर से चुनाव हारे। ईवीएम पर सवाल उठाते हुए दो तर्क दिए जाते हैं- 1. सभी वीवीपैट (पर्चियों) की गिनती की जाए। 2. ईवीएम को हटाकर मतपत्र से मतदान कराया जाए। अगर 100 प्रतिशत वीवीपैट की गिनती की जाएगी तो ईवीएम लाने का औचित्य ही क्या रहेगा? यह तो पूर्णत: मतपत्रों की गणना जैसी प्रक्रिया हो गई! अगर ईवीएम को हटाकर मतपत्र से चुनाव कराया जाए तो याद रखें कि इससे विवाद कम नहीं होंगे, बल्कि खूब बढ़ेंगे। ज्यादा दूर न जाएं, अस्सी या नब्बे के दशक में होने वाले चुनावों से संबंधित किस्से ही पढ़ लें, जो इंटरनेट की सहायता से आसानी से मिल जाएंगे। मतपत्र पर ठप्पा इधर-उधर लग जाता तो वोट खारिज हो जाता था। इस बात को लेकर मतगणना केंद्रों पर भारी हंगामा होता था। एक पक्ष कहता कि यह वोट हमें मिला है, दूसरा पक्ष कहता कि हमें मिला है। उसके बाद जमकर झगड़े होते थे। हर चुनाव के बाद ऐसे मतपत्रों की अच्छी-खासी तादाद होती थी। कई इलाकों में बूथ कब्जा लिए जाते थे। बाहुबली किस्म के नेता अपने साथ लठैत लेकर आते, जो मतपत्रों पर ठप्पे लगाकर पेटी में डालते जाते थे। कई जगह मतपेटियां लूटने की कोशिशें की जातीं। ऐसी भी खबरें आतीं, जिनसे पता चलता था कि उपद्रवी तत्त्वों ने मतपेटी में पानी डाल दिया। मतपत्रों की गणना में भी बहुत समय लगता था। ईवीएम ने ये सभी समस्याएं दूर कर दीं। राजनीतिक दल चुनाव आयोग, चुनाव प्रक्रिया और जनता-जनार्दन पर विश्वास रखें। देश चुनाव सुधारों की लंबी यात्रा करते हुए यहां तक पहुंचा है। यह पीछे लौटने का समय नहीं है।

ट्वीटर टॉक

इंडी अलायंस ने अपने घोषणा पत्र में कहा कि उनकी लड़ाई शक्ति के खिलाफ है, जबकि मेरे लिए हर मां-हर बेटी शक्ति का रूप है। मैं भारत मां का पुजारी हूं, इसलिए अपनी शक्ति-स्वरूपा मां, बहन और बेटियों की रक्षा के लिए जान की बाजी लगा दूंगा।

-नरेन्द्र मोदी

लघु उद्योग भारती, जयपुर अंचल द्वारा आयोजित उद्यमी सम्मेलन में सहभाग किया। देश के लघु उद्योगों को समर्पित इस आयोजन हेतु सभी उद्यमी साथियों का हार्दिक आभार, अभिनंदन। लघु उद्योग देश की अर्थव्यवस्था एवं प्रगति का प्रमुख आधार स्तंभ हैं।

-राज्यवर्धनसिंह राठौड़

मोदी जी को मेरी बातें अच्छी नहीं लगतीं, किसी न किसी तरह उन्हें घुमाकर वह उनका अर्थ हमेशा बदलने की कोशिश करते हैं क्योंकि वह जानते हैं कि मैंने एक गहरी सच्चाई बोली है। जिस शक्ति का मैंने उल्लेख किया, जिस शक्ति से हम लड़ रहे हैं, उस शक्ति का मुखौटा मोदी हैं।

-राहुल गांधी

प्रेरक प्रसंग

सत्य-असत्य के रहस्य

एक दिन 'सत्यतपा ऋषि' वन में बैठे थे। अचानक एक वराह सामने से गुजरा और ओझल हो गया। पीछे-पीछे शिकारी पहुंच गया। उसने मुनि से पूछा, 'मुनिवर! क्या आपने वराह को जाते देखा है?' मुनि ने सोचा कि यदि वह सच बताता है तो शिकारी वराह को मार देगा। यदि नहीं बताता तो शिकारी का परिवार भूखा रह जाएगा। मुनि ने कहा, 'वराह को आंखों ने देखा है, पर वे बोल नहीं सकतीं। जिह्वा बोल सकती है, किंतु उसने वराह को देखा नहीं।' तभी मुनि ने देखा कि सामने शिकारी की जगह विष्णु और इंद्र खड़े हैं। उन्होंने कहा, मुनिवर, वास्तव में तुम सत्य-असत्य के रहस्य व उसके परिणाम को समझते हो। सत्य बोलते समय उसका परिणाम क्या होगा, यह विवेक ही उचित निर्णय ले सकता है।' सत्यतपा ऋषि को वर देकर दोनों लौट गए।

सामयिक

सीएए का विरोध औचित्यहीन

अवधेश कुमार
मोबाइल : 9811027208

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा सीएए या नागरिकता संशोधन कानून को अमल में लाने को लेकर किसी को संदेश था तैयार गलती उसकी थी। गृह मंत्री अमित शाह द्वारा लोकसभा चुनाव के पूर्व इसे लागू करने के बयान के बाद तो केवल तिथि की प्रतीक्षा थी। विरोधियों की प्रतिक्रियाएं वही हैं जैसी संसद में पारित होने के पूर्व से लेकर लंबे समय बाद तक रही है। यह प्रश्न उठाया जा रहा है कि आखिर ऐन चुनाव के पूर्व ही इसे लागू करने की क्या आवश्यकता थी? अगर लागू नहीं किया जाता तो चुनाव में विरोधी यही प्रश्न उठाते कि इसे लागू क्यों नहीं कर रहे? हालांकि आम लोगों के मन में यह प्रश्न उठेगा कि इतना समय क्यों लगा? कानून पारित होने के बाद नियम तैयार करने के लिए गृह मंत्रालय को सात बार विस्तार प्रदान किया गया था। नियम बनाने में देरी के कई कारण रहे। कानून पारित होने के बाद से ही देश कोरोना संकट में फंस गया और प्राथमिकतायें दूसरी हो गई। दूसरे, इसके विरुद्ध हुए प्रदर्शनों ने भी समस्याएं पैदा की। अनेक जगह प्रदर्शन हिंसक हुए, लोगों की मौत हुई और दिल्ली में सांप्रदायिक दंगे तक हुए। तीसरे,विदेशी एजेंसियों और संस्थाओं की भी इसमें भूमिका हो गई। चौथे, उच्चतम न्यायालय में इसके विरुद्ध याचिकाएं दायर हुई। इन सबसे निपटने तथा भविष्य में लागू करने पर उनकी पूनरावृत्ति नहीं हो इसकी व्यवस्था करने में समय लगना ही था। मूल बात यह नहीं है कि इसे अब क्यों लागू किया गया। मूल यह है कि इसका क्रियान्वयन आवश्यक है या नहीं और जिन आधारों पर विरोध किया जा रहा है क्या वे सही है?

यह बताने की आवश्यकता नहीं कि कानून उन हिंदुओं, सिखों, बौद्धों, जैनों, पारसियों और ईसाइयों के लिए है, जो 31 दिसंबर , 2014 को या उससे पहले पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से धार्मिक उत्पीड़न के कारण पलायन कर भारत आने को विवश हुए थे। यानी यह कानून इनके अलावा किसी पर लागू होता ही नहीं। भारत में नियमों के तहत आवेदन कर कोई भी नागरिकता प्राप्त कर सकता है। केवल इस कानून के तहत इन समुदाय के लोगों के लिए नागरिकता प्राप्त करना आसान बनाया गया है। उदाहरण के लिए नागरिक कानून, 1955 में आम विदेशी के लिए भारत में रहने की अवधि 11 वर्ष है जबकि उनके लिए 5 वर्ष किया गया है। यह आशंका ही निराधार है कि इससे किसी को बाहर निकाला जाएगा। सीएए गैर कानूनी रूप से रह रहे विदेशियों या किसी को निकालने के लिए नहीं लाया गया है। इसके लिए विदेशी अधिनियम, 1946 और पासपोर्ट अधिनियम, 1920 पहले से हैं। नागरिकता कानून, 1955 के अनुसार अवैध प्रवासियों को या तो जेल में रखा जा सकता है या वापस उनके देश भेजा जा सकता है। नरेन्द्र मोदी सरकार ने इनमें संशोधन करके अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई को वीजा अवधि खत्म होने के बाद भी भारत में रुकने तथा कहीं भी आने-जाने की छूट दे दी थी तो विशेष प्रावधान के द्वारा आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक में खाता खुलवाने, अपना व्यवसाय करने या जमीन तक खरीदने की अनुमति दी गई। इस तरह उन्हें भारत द्वारा अपने की प्रक्रिया आरंभ हो चुकी थी। निस्संदेह, इस कानून के बाद उत्पीड़ित वर्ग भारत आना चाहेंगे। पर इस समय जनवरी 2019 की संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट के अनुसार इनकी कुल संख्या 31, 313 है। ये सब भारत में वर्षों से रह रहे हैं।

आज विरोध करने वाले विपक्षी दलों के दोहरे आचरण के कुछ उदाहरण देखिए। एक, राज्यसभा में 18 दिसंबर, 2003 को मनमोहन सिंह ने कहा था, विभाजन के बाद बांग्लादेश जैसे देशों से बहुत सारे लोग भारत आए थे। यह हमारा नैतिक दायित्व है कि अगर परिस्थितियां इन दुर्भाग्यशाली लोगों को भारत में शरण लेने के लिए बाध्य करें तो हमारा रवैया इनके प्रति और अधिक उदार होना चाहिए।' दो, 4 फरवरी, 2012 को माकपा के महाधिवेशन ने बाजाब्ता पूर्वी पाकिस्तान या बांग्लादेश से आए हिन्दू-सिख-बौद्धों को नागरिकता दिए जाने का प्रस्ताव पारित किया था। तीन, 3 जून, 2012 को माकपा नेता प्रकाश करात ने यूपीए सरकार के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को पत्र लिखकर बांग्लादेश से आए लोगों को मानवाधिकार के चलते नागरिकता देने की मांग की थी। चार,पश्चिम बंगाल में इस कानून को लागू न करने का विधानसभा में प्रस्ताव पारित करने वाली ममता बनर्जी ने 4 अगस्त, 2005 को लोकसभा में यह मामला उठाते हुए हिन्दुओं को नागरिकता देने की मांग की थी।

यह विषय आजादी के समय से ही चला रहा है। महात्मा गांधी ने 26 सितंबर ,1947 को प्रार्थना सभा में कहा था कि हिन्दू और सिख वहां नहीं रहना चाहते तो वे भारत आएं। भारत का दायित्व है कि उन्हें यहां केवल रहने ही नहीं दे, उनके लिए रोजगार सहित अन्य व्यवस्थाएं करें। डॉ. बाबा साहब अंबेदकर राईटिंग्स एंड स्पीचेज के 17 वें वॉल्यूम के पृष्ठ संख्या 366 से 369 तक उनके विचार लिखे हैं। एक उदाहरण - भारत में अनुसूचित जातियों के लिए निराशाजनक संभावनाओं के बावजूद मैं पाकिस्तान में फंसे सभी से कहना चाहूंगा कि आप भारत आइए। .. जिन्हें हिंसा के द्वारा इस्लाम धर्म में परिवर्तित कर दिया गया मैं उनको कहता हूं कि आप अपने बारे में यह मत सोचिए कि आप हमारे समुदाय से बाहर हो गए हैं। मैं वायदा करता हूं कि यदि वे वापस आते हैं तो उनको अपने समुदाय में शामिल करेंगे और वे उसी तरह हमारे भाई माने जाएंगे जैसे धर्म परिवर्तन के पहले माने जाते थे।' बाबा साहब ने 18 दिसंबर, 1947 को प्रधानमंत्री पं. नेहरु पत्र लिखकरअनुरोध किया कि पाकिस्तान सरकार से कहें कि अनुसूचित जातियों के आने के रास्ते बाधा खड़ी न करे।

नेहरु जी ने 25 दिसंबर, 1947 जवाब में लिखा कि हम अपनी ओर से जितना हो सकता है पाकिस्तान से अनुसूचित जातियों को निकालने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। स्वयं को अंबेडकरवादी कहने वाले अगर इस कानून का अभी भी विरोध कर रहे हैं तो इससे अनैतिक आचरण कुछ नहीं हो सकता। नागरिकता संशोधन कानून बाबा साहब अंबेडकर के विचारों को साकार करने वाला है।

वास्तव में यह मानवता की रक्षा के लिए बना प्रगतिशील कानून है। धार्मिक अल्पसंख्यकों को उत्पीड़न से बचाने, उन्हें शरण देने, उनकी सहायता करने पर संपूर्ण विश्व में एकमत है तथा संयुक्त राष्ट्र इसकी चर्चा करता है। भारत विभाजन के बाद तीनों देशों से उम्मीद की गई थी कि वे अपने यहां अल्पसंख्यकों को पूरी सुरक्षा प्रदान करेंगे। विभाजन के समय अल्पसंख्यकों की संख्या पाकिस्तान में 22 प्रतिशत के आसपास थी जो आज दो प्रतिशत भी नहीं है। बांग्लादेश की 28 प्रतिशत हिन्दू आबादी 8 प्रतिशत के आसपास रह गई है। अफगानिस्तान में तो बताना ही मुश्किल है। वे या मुसलमान बना दिए गए, मार दिए गए या फिर भाग गए। भागने वाले तो कम ही थे क्योंकि उनको गले लगाने वाला कोई देश था नहीं। विभाजन के साथ ही पाकिस्तान और आज के बांग्लादेश में धार्मिक उत्पीड़न, उनका जबरन धर्मान्तरण, संपत्तियों पर कब्जा करने आदि की शुरुआत हो गई।

अत्याचार के कारण लोगों ने भागना आरंभ किया लेकिन नागरिकता के लिए उस समय 19 जुलाई, 1948 की समय सीमा निर्धारित कर दी गई थी। इस कारण उस समय सीमा के बाद आने वालों के लिए नागरिकता के रास्ते बंद हो गए। आज के बांग्लादेश और तब के पूर्वी पाकिस्तान सहित पूरे पाकिस्तान में गैर मुस्लिम अल्पसंख्यकों पर उत्पीड़न की घटनाओं के बीच 8 अक्टूबर,1950 को नई दिल्ली में नेहरु लियाकत समझौता हुआ।

इसमें दोनों देशों ने अपने यहां अल्पसंख्यकों के संरक्षण, जबरन धर्म परिवर्तन न होने देने सहित अनेक वचन दिए....। भारत ने आज तक इसका शब्दशः पालन किया है जबकि पाकिस्तान और बांग्लादेश ने इसके विपरीत आचरण किया। यही कारण है कि आज भारत में उस समय के 9.7 प्रतिशत मुसलमान की संख्या 157 के आसपास हो गई और उन देशों में घटती चली गई। जब अपने धर्म का पालन करते हुए निर्भय होकर सुरक्षित जीने तक की स्थिति नहीं है तो क्या उनको इन देशों के मजहबी कट्टरपंथी व्यवस्था के हवाले ही छोड़ दिया जाए? वास्तव में नागरिकता संशोधन कानून के क्रियान्वयन के साथ दशकों से उत्पीड़ित शर्णार्थियों को राहत की सांस लेने और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिलेगा। इनकी सांस्कृतिक, सामाजिक भाषायी सभी प्रकार के पहचाने की रक्षा हो सकेगी। यह विभाजन के साथ आरंभ हुई प्रक्रिया को ही आगे बढ़ाना है जिसकी आवश्यकता तब तक है जब तक इन देशों में धार्मिक अल्पसंख्यकों को स्वतंत्रतापूर्वक सम्मानजनक सुरक्षित जीवन जीने का आधार नहीं बनता।

नजरिया

गौरैया की विलुप्ति की त्रासदी चिंताजनक

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

विश्व गौरैया दिवस 20 मार्च को दुनियाभर में मनाने का उद्देश्य गौरैया पक्षी की लुप्त होती प्रजाति को बचाना है। पेड़ों की अंधाधुंध होती कटाई, आधुनिक शहरीकरण और लगातार बढ़ रहे प्रदूषण से गौरैया पक्षी विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुकी है। इस दिवस की थीम पिछले कुछ वर्षों से एक ही रही है कि, 'आई लव स्पैरोज' (गौरैया)। यह थीम इस दुनिया को पक्षियों, जानवरों और मनुष्यों के लिए एक बेहतर जगह बनाने के सपने एवं उनके संरक्षण से प्रेरित है। एक वक्त था जब गौरैया की चीं-चीं की आवाज से ही लोगों की नींद खुला करती थी लेकिन अब ऐसा नहीं है। यह एक ऐसी पक्षी है जो मनुष्य के इर्द-गिर्द रहना पसंद करती है। गौरैया पक्षी की संख्या में लगातार कमी एक चेतावनी है कि प्रदूषण और रेडिएशन प्रकृति और मानव के ऊपर क्या प्रभाव डाल रहा है। गौरैया पृथ्वी पर सबसे आम और सबसे पुरानी पक्षी प्रजातियों में से एक है। ये छोटे, मनमोहक एवं शांति देने वाले पक्षी सदियों से हमारे जीवन का हिस्सा रहे हैं और प्रकृति में संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस दिन, हम उनकी सुंदरता एवं उपयोगिता की सराहना करने के लिए कुछ समय निकाल सकते हैं और सीख सकते हैं कि हम उनकी सुरक्षा में कैसे मदद कर सकते हैं।

भारत और दुनियाभर में गौरैया पक्षी की संख्या में लगातार कमी आ रही है। दिल्ली में तो गौरैया इस कदर दुर्लभ हो गई है कि ढूंढे से भी यह पक्षी देखने को नहीं मिलता, इसलिए वर्ष 2012 में दिल्ली सरकार ने इसे राज्य-पक्षी घोषित कर दिया था। गौरैया की लुप्त होती प्रजाति और कम होती आबादी बेहद चिंता का विषय है। दुनिया भर की कई संस्कृतियों में, गौरैया सादगी, खुशी और सुरक्षा का प्रतीक है। यह उनकी पारिस्थितिक भूमिका के अलावा हमारी साझा मानव संस्कृति और लोककथाओं में भी उनके महत्व को दर्शाता है। घरों को अपनी चीं-चीं से चहकाने वाली गौरैया अब दिखाई नहीं देती। इस छोटे आकार वाले खूबसूरत एवं शांतिपूर्ण पक्षी का कभी इंसान के घरों में बसेरा हुआ करता था और बच्चे बचपन से इसे देखते हुए बड़े हुआ करते थे। अब स्थिति बदल गई है। गौरैया के अस्तित्व पर छाए संकट के बादलों ने इसकी संख्या काफी कम कर दी है और कहीं-कहीं तो अब यह बिल्कुल दिखाई नहीं देती। इस नन्हें से परिंदे को बचाने के लिए ही पिछले कुछ सालों से विश्व गौरैया दिवस मनाते आ रहे हैं। गौरैया देशी पौधों वाले क्षेत्रों में पनपती है, तो क्यों न हम अपने बगीचे में कुछ पौधे लगाकर गौरैया को नया जीवन देने का उपक्रम करें।

पहली बार यह दिवस नेचर फॉरएवर सोसाइटी द्वारा भारत में गौरैया और अन्य सामान्य पक्षियों की घटती आबादी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लक्ष्य के साथ मनाया गया था। नासिक निवासी मोहम्मद दिलावर ने घरेलू गौरैया पक्षियों की सहायता हेतु नेचर फोरेवर सोसाइटी की स्थापना की थी। इनके इस कार्य को देखते हुए टाइम ने 2008 में इन्हें हिरोज ऑफ दी एनवायरमेंट नाम दिया था। पर्यावरण के संरक्षण और इस कार्य में मदद की सराहना करने हेतु एनएफएस ने 20 मार्च 2011 में गुजरात के अहमदाबाद शहर में गौरैया पुरस्कार की शुरुआत की थी। गौरैया के अस्तित्व पर मंडरा रहा खतरा मानवता पर भी एक प्रश्नचिह्न भी है। गौरेया जैसे बेजुबान पक्षियों का बड़ी संख्या में विलुप्त होना पर्यावरण संतुलन के लिये तो बड़ा खतरा है ही लेकिन इसका असर मानव जीवन पर भी होगा। यह धरती केवल इंसानों के लिये नहीं है, बल्कि वन्य जीवों के लिये भी है, इसलिये पक्षियों का विलुप्त होना या मरना हमारे लिये चिन्ता का बड़ा कारण बनना चाहिए। पक्षी विज्ञानी हेमंत सिंह के अनुसार गौरैया की आबादी में 60 से 80 फीसदी तक की कमी आई है। यदि इसके संरक्षण के उचित प्रयास नहीं किए गए तो हो सकता है कि गौरैया इतिहास का प्राणी बन जाए और भविष्य की पीढ़ियों को यह देखने को ही न मिले। ब्रिटेन की 'रॉयल सोसायटी ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ बर्डस' ने भारत से लेकर विश्व के विभिन्न हिस्सों में अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययनों के आधार पर गौरैया को 'रेड लिस्ट' में डाला है। आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक गौरैया की आबादी में करीब 60 फीसदी की कमी आई है। यह ह्रास ग्रामीण और शहरी, दोनों ही क्षेत्रों में हुआ है। पश्चिमी देशों में हुए अध्ययनों के अनुसार गौरैया की आबादी घटकर खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है।

गौरैया का भौगोलिक दायरा बहुत बड़ा है। वे अंटार्कटिका को छोड़कर हर महाद्वीप के मूल निवासी हैं और विभिन्न जलवायु और वातावरण में रहने के लिए अनुकूलित हैं। लेकिन गौरेया पक्षी मानवीय लोभ की भेंट तो चढ़ ही रहे हैं, जलवायु परिवर्तन के कारण भी इनकी संख्या लगातार कम हो रही है। कानूनों की धज्जियां उड़ाते हुए पक्षियों का शिकार एवं अवैध व्यापार जारी है। गौरैया जैसे पक्षी विभिन्न रसायनों और जहरीले पदार्थों के प्रति अति संवेदनशील होते हैं। ऐसे पदार्थ भोजन या फिर पक्षियों की त्वचा के माध्यम से शरीर में पहुंचकर उनकी मौत का कारण बनते हैं। भोजन की कमी होने, घोंसलों के लिए उचित जगह न मिलने तथा माइक्रोवेव प्रदूषण जैसे कारण इनकी घटती संख्या के लिए जिम्मेदार हैं।

जन्म के शुरुआती पंद्रह दिनों में गौरैया के बच्चों का भोजन कीट-पतंग होते हैं। पर आजकल हमारे बगीचों में विदेशी पौधे ज्यादा उगाते हैं, जो कीट-पतंगों को आकर्षित नहीं कर पाते। जीवन के अनेकानेक सुख, संतोष एवं रोमांच में से एक यह भी है कि हम कुछ समय पक्षियों के साथ बिताने में लगाते रहे हैं, अब ऐसा क्यों नहीं कर पाते? क्यों हमारी सोच एवं जीवनशैली का प्रकृति-प्रेम विलुप्त हो रहा है? मनुष्य के हाथों से रचे कृत्रिम संसार की परिधि में प्रकृति, पर्यावरण, वन्यजीव-जंगल एवं पक्षियों का कलरव एवं जीवन-ऊर्जा का लगातार खत्म होते जाना जीवन से मृत्यु की ओर बढ़ने का संकेत है।

खुद को परिस्थितियों के अनुकूल बना लेने वाली यह चिड़िया अब भारत ही नहीं, यूरोप के कई बड़े हिस्सों में भी काफी कम रह गई है। ब्रिटेन, इटली, फ्राँस, जर्मनी और चेक गणराज्य जैसे देशों में इनकी संख्या जहाँ तेजी से गिर रही है, तो नीदरलैंड में तो इन्हें दुर्लभ प्रजाति' के वर्ग में रखा गया है। मोबाइल फोन तथा मोबाइल टॉवरों से निकलने वाली सूक्ष्म तरंगें गौरैया के अस्तित्व के लिए खतरा बन रही हैं। कई बार लोग अपने घरों में इस पक्षी के घोंसले को बसने से पहले ही उजाड़ देते हैं। कई बार बच्चे इन्हें पकड़कर पहचान के लिए इनके पैर में धागा बांधकर इन्हें छोड़ देते हैं। इससे कई बार किसी पेड़ की टहनी या शाखाओं में अटक कर इस पक्षी की जान चली जाती है। इतना ही नहीं कई बार बच्चे गौरैया को पकड़कर इसके पंखों को रंग देते हैं, जिससे उसे उड़ने में दिक्कत होती है और उसके स्वास्थ्य पर भी विपरीत असर पड़ता है। पक्षी विज्ञानियों के अनुसार गौरैया को फिर से बुलाने के लिए लोगों को अपने घरों में कुछ ऐसे स्थान उपलब्ध कराने चाहिए, जहां वे आसानी से अपने घोंसले बना सकें और उनके अंडे तथा बच्चे हमलावर पक्षियों से सुरक्षित रह सकें।

मनुष्यों को गौरैया के लिए कुछ ना कुछ तो करना ही होगा, वरना यह भी मॉरीशस के डोडो पक्षी और गिद्ध की तरह पूरी तरह से विलुप्त हो जायेंगे। हमें पक्षियों के स्वास्थ्य के प्रति भी सजग होना चाहिए। सरकारों को भी पक्षियों के इलाज एवं जीवन-सुरक्षा के पुख्ते प्रबंध करने चाहिए। भारत की संस्कृति में पक्षियों को दाना एवं पानी डालने की व्यवस्था जीवनशैली का अंग रहा है, इन वर्षों में हमारी यह संस्कृति लुप्त हो रही है, जो गौरैया के विलुप्त होने का बड़ा कारण है। मनुष्य का लोभ एवं संवेदनहीनता भी त्रासदी की हद तक बढ़ी है, जो वन्यजीवों, पक्षियों, प्रकृति एवं पर्यावरण के असंतुलन एवं विनाश का बड़ा सबब बना है। ऐसे में इस दिन को मनाने के बारे में सोचना वाकई गौरैया और दूसरे गायब होते पक्षियों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए सराहनीय कदम है।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

सदस्यता

पटना में जदयू सांसद ललन सिंह सोमवार को पटना में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान पूर्व राजद नेता लवली आनंद को पार्टी में शामिल होने पर पार्टी की सदस्यता पर्ची प्रदान करते हुए।

दपरे के महाप्रबंधक ने गदग, कोप्पल और होसपेट स्टेशनों का किया निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। सोमवार को दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के महाप्रबंधक अरविन्द श्रीवास्तव ने गदग, कोप्पल और होसपेट स्टेशनों का निरीक्षण किया। उन्होंने हुब्बल्ली और कुसुगल खंड के बीच विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण भी किया। उन्होंने कई प्रमुख परिचालन एवं सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा की। उनके साथ हुब्बल्ली के मंडल रेल प्रबंधक हर्ष खरे, प्रमुख विभागाध्यक्ष और दक्षिण पश्चिम रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे।

इसके अलावा उन्होंने स्टेशन मास्टर के पैनल रूम और रिले रूम सहित गदग और कोप्पल रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया और कर्मचारियों से बातचीत की। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे रेलवे बुनियादी ढांचे और स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा की।

सम्मेलन

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा आगामी लोकसभा चुनाव के लिए दिल्ली से पार्टी उम्मीदवारों के साथ; सोमवार को नई दिल्ली में एक संवाददा6ता सम्मेलन के दौरान योगेन्द्र चंदोलिया, कमलजीत सहरावत, मनोज तिवारी, रामवीर सिंह बिधूड़ी, हर्ष मल्होत्रा, प्रवीण खंडेलवाल और बांसुरी स्वराज।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के अंदरूनी इलाकों में हवाई हमले किए, आठ लोगों की मौत

इस्लामाबाद/काबुल/भाषा। पाकिस्तान के अशांत शहरों में हाल में हुए आतंकवादी हमलों के बाद दोनों पड़ोसी देशों में छिड़ी जुबानी जंग के बीच पाकिस्तान ने सोमवार को अफगानिस्तान के अंदरूनी इलाकों में हवाई हमले किए, जिसमें तीन बच्चों सहित आठ आम नागरिकों की मौत हो गई। अफगानिस्तान के तालिबान ने यह जानकारी दी।

अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को हमलों की पुष्टि करते हुए कहा कि पाकिस्तान की सीमा से लगे देश के पक्तिका और खोस्त प्रांतों के इलाकों को निशाना बनाया गया। पाकिस्तान की ओर से फिलहाल इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

'डॉन' अखबार ने काबुल से अपनी खबर में बताया कि अफगानिस्तान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने एक बयान में पाकिस्तानी विमानों द्वारा हमले किए जाने का आरोप लगाया। मुजाहिद ने कहा, सुबह तड़के करीब तीन बजे पाकिस्तानी विमानों ने खोस्त और पक्तिका प्रांतों में लोगों के घरों पर बमबारी की। उन्होंने दावा कि इसमें महिलाएं और बच्चे समेत आठ लोगों की मौत हो गई है। मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तानी विमानों द्वारा पक्तिका के बरमल जिले के लमान इलाके में हमले किए गए।

यह आरोप लगाते हुए कि ''आम लोगों के घरों को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि पक्तिका में तीन महिलाओं और तीन बच्चों की मौत हो गई तथा एक घर ढह गया, जबकि खोस्त में एक घर तबाह हो गया और दो महिलाओं की मौत हो गई।

प्रवक्ता ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे अंगभीर कृत्य और अफगान की सीमा का उल्लंघन करार दिया।

मुलाकात

बेंगलूरु में सोमवार को राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज, नई दिल्ली के मेजर जनरल सीपी सांगरा ने नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल के साथ राज्यपाल थावरचन्द गहलोत से मुलाकात की। उन्होंने कॉलेज की गतिविधियों की जानकारी राज्यपाल को दी। उन्होंने राज्यपाल का सम्मान भी किया।

पश्चिम अपनी रूस समस्या का 'समाधान' नहीं कर सकता, अगले छह वर्ष इसे कैसे संभालना चाहिए

कैनबरा। यह शायद इस वर्ष की शायद कम आश्चर्यजनक खबर होगी कि व्लादिमीर पुतिन ने रूस के राष्ट्रपति के चुनाव में जीत हासिल कर ली है। वह पांचवी बार देश के राष्ट्रपति बनेंगे और अगले छह वर्ष तक अपनी सेवाएं देंगे।

पुतिन 2030 में 77 वर्ष के हो जाएंगे। संविधान के अनुसार, जिसे उन्होंने 2020 में अपने लाभ के लिए फिर से लिखा था, वह अगले छह साल के कार्यकाल के लिए दोबारा चुनाव में खड़े हो सकते हैं। इसे परिप्रेक्ष्य में रखते हुए कि पुतिन पहले ही 24 वर्षों तक, या आठ ऑस्ट्रेलियाई संसदीय कार्यकाल के बराबर, राष्ट्रपति या प्रधान मंत्री के रूप में रूस पर शासन कर चुके हैं। उस अवधि में, ऑस्ट्रेलिया में आठ प्रधान मंत्री हुए और तीन बार सत्तारूढ़ दल बदला गया। अमेरिका में पाँच अलग-अलग राष्ट्रपति हुए हैं; यूनाइटेड किंगडम के सात अलग-अलग प्रधान मंत्री।

पश्चिम में चुनावों के विपरीत, जहां परिणाम वास्तव में मतदाताओं के हाथों में होते हैं और स्वतंत्र चुनाव आयोगों द्वारा निर्णय लिया जाता है, रूस अलग है। जैसा कि मॉस्को में ब्रिटेन के पूर्व राजदूत लॉरी ब्रिस्टो ने लिखा है: रूस में, चुनावों का उद्देश्य अपने शासकों के निर्णयों को मान्य करना है, न कि लोगों की इच्छा के बारे में जानना।

पुतिन अब नई सरकार नियुक्त करेंगे। उत्तराधिकार योजना और भविष्य की नीतियों का पता लगाने के लिए उनकी पसंद की गहनता से जांच की जाएगी। हालाँकि वह हैरान करने में माहिर हैं, लेकिन हमें पुतिन के जल्द चले जाने पर भरोसा नहीं करना चाहिए। आधुनिक रूस और यूएसएसआर के केवल चार नेताओं ने शीर्ष पद को जीवित रहते छोड़ा; बाकी की मृत्यु कार्यालय में प्राकृतिक या अन्य कारणों से हुई है। इसके अलावा, पिछले दो वर्षों में पुतिन के कार्यों का उद्देश्य रूस को अधिनायकवाद से अर्ध-अधिनायकवाद की ओर ले जाना है। कार्नेगी एंडोमेंट के आंद्रेई कोलेनिकोव ने इन विवर्तनिक बदलावों के बारे में प्रभावशाली ढंग से लिखा है जो सोवियत स्टालिनवाद के सबसे काले वर्षों की याद दिलाते हैं। पुतिन ने स्पष्ट रूप से यूक्रेन में अपनी पसंद के युद्ध को पश्चिम के साथ व्यापक, दीर्घकालिक संघर्ष के छद्म के रूप में प्रस्तुत किया है। उनका मानना है कि पश्चिम असंयमित है, पतन की ओर है और आसानी से विचलित हो जाता है।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का अमेरिकी सहयोगियों और साझेदारों के प्रति ''उन पर अडिग'' रवैया, और यूक्रेन को आगे की सैन्य सहायता पर पश्चिमी देशों की झिझक, केवल पुतिन को और अधिक प्रोत्साहित करेगी। इस सप्ताहांत के चुनाव में अपनी पारंपरिक सफलता से उत्साहित होकर, वह आगे जोखिम भरे और उत्तेजक दुस्साहस पर उतरेंगे। नतीजतन, पुतिन - और ''पुतिनवाद'' की विचारधारा - पश्चिमी सरकारों और नीति निर्माताओं के लिए एक गंभीर चुनौती है जो वास्तव में अपने मतदाताओं, संसदीय विपक्ष, एक मुखर और जिज्ञासु मीडिया और एक स्वतंत्र न्यायपालिका के प्रति जवाबदेह हैं।

रैली

कोलकाता में अवैध इमारत ढहने के विरोध में भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने सोमवार को रैली निकाली।

नई लोकसभा के सदस्यों का नए रूप में स्वागत करेगा संसद परिसर

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा चुनाव के बाद जब जून महीने में नवनिर्वाचित सदस्य पहुंचेंगे तो संसद परिसर अपने नए और सुंदर रूप में उनका स्वागत करेगा। संसद से जुड़े सूत्रों ने बताया कि चार अलग-अलग इमारतों वाले पूरे परिसर को एकीकृत करने का काम चल रहा है।

बाहरी क्षेत्र के पुनर्विकास के तहत महात्मा गांधी, छत्रपति शिवाजी और महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमाओं एवं राष्ट्रीय प्रतीकों को पुराने संसद भवन (संविधान सदन) के द्वार संख्या 5 के पास एक उद्यान में ले जाया जाएगा। इससे संसद के नए भवन के 'गज द्वार' के सामने एक विशाल उद्यान के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा। 'गज द्वार' का उपयोग राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नए संसद भवन में प्रवेश के लिए करते हैं। इस उद्यान का उपयोग आधिकारिक समारोहों जैसे संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति का संबोधन जैसे आधिकारिक समारोहों के लिए भी किया जा सकता है। एक सूत्र ने कहा, लक्ष्य यह है कि नई लोकसभा की बैठक से पहले नवीनीकृत संसद परिसर को तैयार करना है।

होली के रंग में दिखे 'डांस दीवाने' के जज

मुंबई/एजेन्सी

माधुरी दीक्षित नेने, सुनील शेट्टी, गोविंदा और उनकी पत्नी सुनिता को फिल्मिस्तान स्टूडियो में डांस दीवाने के सेट पर एक साथ देखा गया। सभी सेलिब्रिटी रियलिटी शो के एपिसोड की शूटिंग के लिए पहुंचे थे।

इस शो में गोविंदा और उनकी पत्नी को स्पेशल गेस्ट के रूप में इनवाइट किया गया था। इसे होली स्पेशल के लिए शूट किया जा रहा था। हरे रंग की पोशाक में माधुरी दीक्षित नजर आईं। एक्ट्रेस इस शो की जज भी हैं। फ्यूजन आउटफिट में देवदास की अभिनेत्री माधुरी काफी सुंदर नजर आ रही थी। अभिनेत्री ने ग्लैम मेकअप के साथ अपने बालों को भी खुला छोड़ा हुआ था, साथ ही गोल्ड कलर की ब्लॉक हील्स के साथ लुक को पूरा किया।

को-जज सुनील ने चिकनकारी के काम वाली नीली शर्ट और बेज रंग की पैंट पहनी थी। उन्होंने अपने लुक को काले धूप के चश्मे से पूरा किया। पिंक लहंगे में गोविंदा की पत्नी सुनिता भी काफी सुंदर दिख रही थी, उन्होंने हरे चोकर नेकलेस और मैचिंग इयररिंग्स के साथ लुक को पूरा किया। सुनीता और सुनील को लेंस के लिए एक साथ पोज़ देते हुए देखा गया।

'हेरा फेरी' अभिनेता ने सुनीता के कंधों पर अपने हाथ रखे हुए थे। गोविंदा ने ब्राइट पिंक कलर का कुर्ता पायजामा और मैचिंग दुपट्टा पहना था। उन्होंने इस आउटफिट को भूरे रंग के जूतों के साथ पूरा किया। लाफ्टर क्वीन भारती सिंह पीले रंग की आउटफिट पहनी हुई थी । भारती इस शो की जज भी हैं। वह मुस्कुराईं और कैमरे के सामने हाथ जोड़े। बता दें कि 'डांस दीवाने' कलर्स पर प्रसारित होता है।

फिल्म 'फसल' 25 को रिलीज होगी

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के जुबली स्टार दिनेश लाल यादव निरहुआ और यूट्यूब क्वीन आम्रपाली दुबे की फिल्म फसल 25 मार्च को रिलीज होगीग श्रेयस फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बनी भोजपुरी फ़िल्म फसल के निर्माता प्रेम राय हैं और निर्देशक पराग पाटिल हैं। फिल्म के निर्माता प्रेम राय ने कहा कि यह फिल्म भोजपुरी के दर्शकों को होली का उपहार होगी। इसलिए वे सभी अपने परिजनों के साथ इस फिल्म को नजदीकी सिनेमाघरों में जाकर जरूर देखें।

उन्होंने कहा, फिल्म फसल भारतीय सिनेमा के साथ-साथ किसानों को काफी प्रतिनिधित्व करती है। इसलिए भारतीय किसानों को समझने के लिए यह फिल्म जरूर देखें। क्योंकि यह हमारे अन्नदाता को सम्मान होगा।

निरहुआ ने कहा कि फसल एक ऐसी फिल्म है जिसकी परिकल्पना कभी भोजपुरी में नहीं की गई है। इस फिल्म के किरदार को जीना मेरी लाइफ के बेहतरीन लम्हों में से एक है इसलिए मैं भोजपुरी के दर्शकों से आग्रह करूंगा कि वह जरूर इस फिल्म के देखें और अपना खूब सारा प्यार और आशीर्वाद दें।

आम्रपाली दुबे ने भी इस फिल्म को लेकर लोगों से प्यार और दुलार देने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह फिल्म न सिर्फ देश के किसानों के बीच जागरूकता लाएगी, बल्कि सरकारी तंत्र की आखें खोलेगी। वहीं देश की महिलाओं के लिए भी बहुत ही खूबसूरत संदेश देने की कोशिश की गई है कि एक पति के सुख-दुख की सहभागी होने के नाते पत्नी का क्या-क्या कर्त्तव्य हो सकता है।

पराग पाटिल ने कहा कि फ़िल्म फसल एक किसान की कहानी और उसके द्वारा उपजाए गए फसलों की कीमत के इर्दगिर्द की कठिनाइयों और चुनौतियों को इंगित करते हुए

बनाई गई है। फ़िल्म फसल की कहानी पराग पाटिल ने लिखी है, जबकि संवाद राकेश त्रिपाठी ने लिखा है। फ़िल्म के गीत अरविंद तिवारी, प्यारेलाल यादव , विमल बावरा एवं विजय चौहान हैं और संगीतकार ओम झा एवं आर्या शर्मा हैं। गायक आलोक कुमार, कल्पना पटवारी, नीलकमल सिंह, प्रिया सिंह राजपूत, ममता राउत एवं शिल्पी राज है। फ़िल्म फसल के सह निर्माता सतीश आशवानी हैं। फ़िल्म की सिनेमेटोग्राफी साहिल जे अंसारी ने की है। एक्शन हीरा यादव का है। कोरियोग्राफर संजय कोर्बे एवं कानू मुखर्जी हैं।

'दबंग' की अगली कड़ी को निर्देशित करना चाहते हैं अरबाज खान

मुंबई/एजेन्सी

वर्ष 2010 में सलमान खान के भाई अरबाज खान ने अपने प्रोडक्शन तले सलमान खान को लेकर फिल्म दबंग का निर्माण किया था। लेखक निर्देशक अभिनव कश्यप ने सलमान खान को इस फिल्म में अलग अंदाज में पेश किया। उनका यह अंदाज दर्शकों को भाया और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही। सलमान के फैंस को उनका चुलबुल पांडे अवतार बहुत पसंद आया था। इसके इसकी फ्रेंचाइजी की दो फिल्मेंदबंग-2 और दबंग-3आई। दबंग-2 का निर्देशन अरबाज ने किया था और अब हर कोई फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त 'दबंग 4' के लिए बेताब है। हाल ही में ऐसी अफवाहें थीं कि सलमान और

अरबाज ने 'दबंग' के अगले पार्ट पर चर्चा करने के लिए 'जवान' के निर्देशक एटली से मुलाकात की थी। अब 'दबंग 2' बनाने वाले अरबाज ने एक इंटरव्यू में इस बारे में खुलकर बात की। अरबाज ने मिड-डे से बात करते हुए कहा कि मैं अपने जीवन में कभी भी फिल्म निर्माता एटली से नहीं मिला। इन अफवाहों पर तब तक यकीन नहीं करना चाहिए जब तक कि मैं इनकी पुष्टि न कर लूं। हालांकि सलमान 'दबंग 4' करने के इच्छुक हैं। सलमान और मैं फिलहाल अपने-अपने प्रोजेक्टस में बिजी हैं। मैं 'दबंग 4' का निर्देशन करना पसंद करूंगा, लेकिन अभी तक कुछ भी तय नहीं किया है। सलमान के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनके पास शाहरुख खान के साथ 'टाइगर वर्सेस पठान' है। सलमान ने साजिद नाडियाडवाला के साथ एक नई फिल्म की भी घोषणा की, जो ईद 2025 पर रिलीज होगी। सलमान की पिछली फिल्म 'टाइगर 3' पिछले साल 12 नवंबर को रिलीज हुई थी।

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने दिया फिटनेस मंत्र

मुंबई/एजेन्सी

हाल ही में फिल्म 'सुखी' में नजर आईं बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी कुंद्रा फिटनेस मंत्र दे रही हैं। सोमवार को अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर एक बेंच पर वन-लेग स्क्वाट करते हुए अपना एक वीडियो साझा किया। वीडियो में शिल्पा को जिम वियर पहने और पूरी तरह से फोकस कर संतुलन बनाते हुए देखा जा सकता है। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, ''मुझे कोई भी 'रैंप' दे दो, मैं इसे अपना बना लूंगी। सब बैलेंस का खेल है! स्टाइल में एक बेहतरीन लेग वर्कआउट।'' शिल्पा ने आगे कहा, मुझे पूरी ड्रिल पाने के लिए कुछ प्रयास करने पड़े, लेकिन यह चुनौतीपूर्ण है। इसे आज़माएं और मुझे टैग करें। देखते हैं कितने लोग इसे पूरा कर पाते हैं।

इससे पहले एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट पोशाक के साथ हरे रंग में धूम मचाई थी। उन्होंने हरे रंग की पोशाक पहनी थी, जिसे उन्होंने फूलों के पैटर्न वाले क्रीम रंग के साथ जोड़ा था। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने कमेंट बॉक्स में आकर शिल्पा की पोशाक की पसंद की सराहना की। उन्होंने लिखा, वाह। इस बीच, अगर उनके वर्क फ्रंट की बात करें, तो शिल्पा कन्नड़ फिल्म 'केडी - द डेविल' की तैयारी कर रही हैं, जिसमें संजय दत्त और जिशु सेनगुप्ता भी हैं।

अनुपम खेर की 'तन्वी द ग्रेट' के लिए संगीत देंगे कीरावनी

मुंबई/एजेन्सी

अनुपम खेर 'तन्वी द ग्रेट' का निर्देशन कर रहे हैं। उन्होंने ऑस्कर और ग्रैमी विजेता संगीत निर्देशक एम.एम. कीरावनी को फिल्म का म्यूजिक देने के लिए साइन किया है। सोमवार को अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टूडियो के अंदर म्यूजिक का वीडियो साझा किया, जहां संगीतकार को डिजिटल ऑडियो वर्कस्टेशन के सामने कीबोर्ड पर डूडलिंग करते देखा जा सकता है। वीडियो में एम.एम. कीरावनी को कुछ तार बजाते और धुन गुनगुनाते देखा जा सकता है। धुन के अंत में अनुपम संगीतकार की सराहना करते हैं। अभिनेता ने कैप्शन में लिखा: सपने सच होता हैं। यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि हमारे समय के सबसे बेहतरीन संगीतकारों में से एक ऑस्कर और गोल्डन ग्लोब विजेता एमएम कीरावनी सर मेरी फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' के संगीत निर्देशक हैं।

अनुपम ने आगे बताया, जब से मैंने 'तुम मिले दिल खिले' गाना सुना है, तब से मैं कीरवानी सर का फैन हो गया हूं। 'तन्वी द ग्रेट' के लिए संगीत और गाने तैयार करने में लगभग एक साल बिताना शानदार रहा है! आपकी प्रतिभा और उदारता के लिए धन्यवाद सर! जय हो। फिल्म के बारे में बात करते हुए एम.एम. कीरावनी ने साझा किया, मैं 'तन्वी द ग्रेट' का हिस्सा बनकर

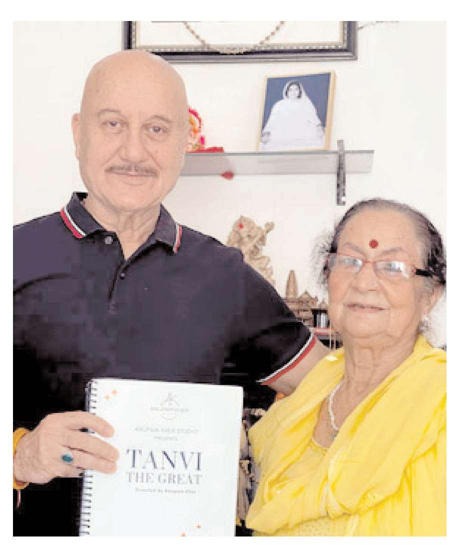

रोमांचित हूं। अनुपम खेर के साथ काम करना हर समय अपने आप में रहने जैसा है। काम पहले कभी इतना मजेदार नहीं था। एम.एम. कीरावनी को 'आरआरआर' के 'नाटू नाटू' गाने के लिए ऑस्कर और गोल्डन ग्लोब पुरस्कार मिला है। 'तन्वी द ग्रेट' का निर्माण अनुपम खेर स्टूडियो द्वारा किया गया है।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर की संस्था जसवंतगढ़ नागरिक परिषद आगामी 23 मार्च शनिवार की शाम 5.30 बजे से केआर रोड स्थित कुवेम्पू कला क्षेत्र में राजस्थानी लोक गीत-संगीत पर आधारित लोक नृत्य व गीतों का एक उत्कृष्ट रंगारंग कार्यक्रम 'अबीर-गुलाल' का आयोजन करने जा रही है।

राजस्थानी लोकनृत्य एवं गीत संगीत का कार्यक्रम 'अबीर गुलाल' 23 को

होली के अवसर पर जसवंतगढ नागरिक परिषद कर रही है यह आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की संस्था जसवंतगढ़ नागरिक परिषद आगामी 23 मार्च शनिवार की शाम 5.30 बजे से केआर रोड स्थित कुवेम्पू कला क्षेत्र (पुराना संजय टॉकिज) में राजस्थानी लोक गीत–संगीत पर आधारित लोक नृत्य व गीतों का एक उत्कृष्ट रंगारंग कार्यक्रम 'अबीर–गुलाल' का आयोजन करने जा रही है। पूरे जोरशोर से तैयारियां की जा रही हैं। इस आयोजन में देश के लगभग 25 सुप्रसिद्ध कलाकार भाग लेंगे। बनारस से सुप्रसिद्ध गायिका पुष्पा बनर्जी अपनी सुरीली आवाज का जादू बिखेरेंगी तो बेंगलूरु के सुप्रसिद्ध गायक निरंजन सारड़ा अपने भक्ति गीत, राजस्थानी गीत और देशभक्ति के नग्में प्रस्तुत करेंगे। उनके साथ उनके भाई हरिकिशन सारड़ा सहयोगी गायक कलाकार के रूप में उनका साथ देंगे।

इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में अतिथि कलाकार के रूप में बेंगलूरु के जाने माने गायक, गीतकार व संगीतकार हितेश मेहता तथा उनके पुत्र ऋषभ मेहता भी गीतों की प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा बनारस से सुप्रसिद्ध तबला वादक अशोक पांडे एवं की–बोर्ड प्लेयर शुभंकर चटर्जी अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। सुप्रसिद्ध भावई नृत्य कलाकार बाड़मेर के ख्यातिप्राप्त स्वरूप पंवार भी राजस्थानी लोकनृत्य की झलक दिखाएंगे। इसके अलावा कोलकाता से लोकप्रिय नृत्य कलाकार सोमा चटर्जी सहित अनेक कलाकार अपनी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए लोगों का मनोरंजन करेंगे। इन सबकी प्रस्तुतियों को मनमोहक बनाने के लिए साउंड व म्यूजिक क्षेत्र में ख्यातिप्राप्त बेंगलूरु के सुविख्यात म्यूजिशियन उमेश बर्मन एंड पार्टी उपस्थित रहेगी।

परिषद के अध्यक्ष व कार्यक्रम संयोजक निरंजन सारडा ने बताया कि इस रंगारंग कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक हिम्मत कोरोनेशन कार्पोरेशन के हेमा–हिम्मतलाल हिरण परिवार है तथा सहप्रायोजक के रूप में एवनप्लास्ट कम्पनी के बजाज परिवार सहयोग दे रहा है। इसके अलावा अनेक गणमान्य लोग विशेष सहयोगी व सहयोगी के रूप में कार्यक्रम से जुड़े हुए हैं। परिषद के मंत्री हरिकिशन सारडा ने बताया कि इस कार्यक्रम में 'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' के समूह सम्पादक श्रीकांत पाराशर मुख्य सलाहकार की भूमिका में प्रारंभ से जुड़े हैं, साथ ही कवि–शायर राजेश जिन्दल सह सलाहकार हैं। कार्यक्रम में प्रवेश पत्र के माध्यम से 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए हरिकिशन सारडा से फोन नं 93412 55086 पर संपर्क किया जा सकता है।

मैसूरु जीतो महिलाओं ने सीखी बचत व निवेश की बारीकियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर की एक होटल में जीतो मैसूरु की लेडीज विंग द्वारा आईआईएफएल द्वारा प्रायोजित 'वेल्थ क्रिएशन' कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें 80 सदस्याओं ने भाग लिया। प्रवीण जैन ने इन्वेस्टमेंट और फाइनेंसियल प्लानिंग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बचत, निवेश के बारे में आवश्यक जानकारी दी। इस मौके पर महारानी कॉलेज के पदाधिकारियों को सेनेटरी पैड डिस्पोजल की दो मशीन भेंट की।

इसके साथ ही महिला सशक्तिकरण अभियान के तहत एक जरुरतमंद जैन परिवार को सहयोग राशि प्रदान की। इस कार्यक्रम में जीतो मैसूरु के चेयरमैन कांतिलाल चौहान, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, कोषाध्यक्ष विनोद बाकलीवाल, केकेजी जोन संयोजक चन्द्रगुप्त कटारिया, पूर्व उपाध्यक्ष प्रकाश दक, यूथ चेयरमैन पुनीत श्रीश्रीमाल, उपाध्यक्ष अनमोल श्रीश्रीमाल, लेडिज चेयरपर्सन मोना भटेवरा, उपाध्यक्ष सपना गांधी, मुख्य सचिव रजनी डागलिया, प्रोजेक्ट निदेशिका सरिता बाघमार, सहसचिव मीनाक्षी कोठारी सहित अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं।

केंद्र की नीतियों से त्रस्त है व्यापारी वर्ग : बोहरा

कर्नाटक अल्पसंख्यक कांग्रेस ने की पत्रकार वार्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'व्यापारी वर्ग किसी भी देश की अर्थ व्यवस्था का आधार स्तंभ होता है और ऐसे आधार स्तंभ के प्रति नरम रूख व समायोजन के भाव से आर्थिक व व्यवसायिक उनत्ति का मार्ग प्रशस्त होता है, परंतु केंद्र सरकार द्वारा पिछले कुछ वर्षों से इस वर्ग पर कानून के नाम पर रुखा दृष्टिकोण अपनाया जा रहा है। व्यापारी वर्ग के प्रति केंद्र सरकार की नीतियां आज सहयोगात्मक न होकर परेशान करने वाली है और इन्ही नीतियों के कारण हिंदुस्तान का व्यापारी वर्ग त्रस्त है।'यह बात कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति अल्पसंख्यक विभाग द्वारा आयोजित पत्रकारवार्ता में प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धार्थ बोहरा ने कही। उन्होंने कहा कि सरकार का सहयोग करने का रवैया सिर्फ बड़े व्यापारिक घरानों के साथ है जिसके कारण मध्यम व निम्न मध्यम व्यापारियों के व्यापार आज बंद होने की परिस्थिति में है। साथ ही उन्होंने कहा कि व्यापारियों के चेहरे पर पुनः पहले वाली मुस्कान लाना है। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुद्दबीर अहमद व इरशाद अहमद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अल्पसंख्यक वर्ग में समाहित मुस्लिम, जैन, सिख, क्रिश्चियन, पारसी व बुद्ध के विकास व उद्धार के लिये प्रतिबद्ध है। उन्होंने उत्तर भारतीय समुदाय के लोगों से आने वाले लोकसभा चुनावों में भारी मतों से कांग्रेस प्रत्याशियों को जीताने का अनुरोध किया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष चरणजीतसिंह चण्डोक, ग्रेसी लोबो, नासिर पाशा, अब्दुल अलीम आदि मौजूद थे।

मात्र मानव ही श्रेष्ठ धर्म आराधना कर सकता है : संतश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन अलसूर में आयोजित प्रवचन में आगमशेखरमुनिजी ने कहा कि प्रत्येक आत्मा परमात्मा बन सकती हैं। सभी के लिए मंगल बन सकती हैं। मंगल बनने के लिए विनय, ज्ञान, नम्रता और वैराग्य जरूरी है। अध्यात्म में सत्ता और शक्ति का महत्व नहीं है। अध्यात्म में गुणों का महत्व हैं। त्याग, दान, शील और तप का महत्व है।

भगवान महावीर ने क्रोध पर विजय पाई तो वे आज हमारे आराध्य बन गये। जयभानुशेखर मुनिजी ने कहा कि हमें धर्म, मन–वचन और काया से करना चाहिए। मात्र मानव ही श्रेष्ठ धर्म आराधना कर सकता है। धर्म कम होगा तो चलेगा किन्तु जीवन में पाप नहीं बढना चाहिए। सभा का संचालन करते हुए मंत्री अभयकुमार बांठिया ने पधारे हुए आचार्यश्री का परिचय देते हुए बताया कि आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी का 50 वां दीक्षा वर्ष है और उनकी नेश्राय में अभी 500 साधु साध्वी जी हैं। संघ के उपाध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने सभी का स्वागत किया। अलसूर पहुंचने पर आचार्यश्री का भव्य स्वागत किया गया।

बिहार दिवस व होलिकोत्सव की तैयारियां जोरों पर

23 को होगा सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद का यह आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय बिहार भवन के सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद द्वारा बिहार दिवस एवं होलिकोत्सव 23 मार्च को पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेस ग्रीन सभागार में मनाया जाएगा। परिषद के सचिव पंडित राजगुरु ने बताया कि इस कार्यक्रम के संबंध में रविवार को बैठक का आयोजन किया जिसमें अंतिम रूपरेखा तैयार की गई। परिषद अध्यक्ष डॉ विनयकुमार यादव ने सभी सदस्यों का स्वागत किया।

कार्यक्रम अध्यक्ष उदयकुमार ने कार्यक्रम को सफल बनाने व धन संग्रह करने के तरीके बताए तथा अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम संयोजक हरिश्चंद्र झा ने बताया की इस वर्ष कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध गायक कुमार सत्यम के साथ–साथ दीया जिया झा, श्रेया सिंह एवं रघुपति झा लोकगीतों की प्रस्तुति देंगे। फूलों की होली, अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा। ट्रस्ट सचिव रामलखन सिंह ने बताया किइस आयोजन में देश भर ने अनेक गणमान्य लोगों के शामिल होने की संभावना है।

बैठक में प्रजापति झा, दीपेशकुमार, मिंटू दुबे, संजयसिंह, कुमार झा, एसके उपाध्याय, बिंदु देवी, डेजी शर्मा, शीलादेवी, निधि श्रीवास्तव, जयशंकर मिश्रा, पारसनाथ, नवीन सिंह, वरुण सिंह, यशवंत सिंह आदि अनेक लोग उपस्थित थे।

दूसरों के लिए जीने वाला ही होता है महान : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसपेट। स्थानीय आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ में चार दिन की स्थिरता के बाद आचार्य श्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने सोमवार को हंपी की ओर विहार किया। इस मौके पर आचार्यश्री ने कहा कि हमारे विचार और आचार स्व के लिए ही नहीं अपितु सर्व के लिए लाभदायक और हितकर होने चाहिए। हमें अपने साथ दूसरों के लिए जीना चाहिए। स्व के लिए तो सब जीते हैं परन्तु पर के लिए जीने वाला ही महान होता है।

भोजपुरी समाज सेवा समिति का होली मिलन समारोह 25 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय भोजपुरी समाज सेवा समिति का होली मिलन समारोह 25 मार्च को आयोजित है जिसके संदर्भ में समिति कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आयोजन हेतु एक सात सदस्यीय में रामाशंकर सिंह को कार्यक्रम अध्यक्ष, राकेश पटेल को कार्यक्रम प्रभारी, संजीत आनंद को कार्यक्रम सह अध्यक्ष, यूपी शर्मा को कार्यक्रम प्रबंधक, नीरजकुमार को कार्यक्रम सह प्रबंधक, अमरेन्द्र ओझा एवं संजय शर्मा को व्यवस्थापक मंडल का सदस्य मनोनीत किया गया। संस्थापक अध्यक्ष संजयसिंह उज्जैन ने बताया कि मिलन समारोह 25 मार्च को सुबह 10 बजे से नीलसन्द्रा स्थित एसआरके कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया है जिसमें फूलों की होली सहित अनेक मनोरंजक खेलों का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में शहर के सुप्रसिद्ध गायिका सुश्री श्रेया सिंह, अजय सिंह एवं पार्टी द्वारा होली गीत संगीत की प्रस्तुति देंगे।

कष्टभंजन हनुमान मंदिर के वार्षिकोत्सव पर की गौसेवा

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। ओल्ड हुबली के अभिनव नगर में स्थित विश्व हिन्दू परिषद द्वारा संचालित कष्टभंजन हनुमान मंदिर एवं गौशाला का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया।

इस दौरान प्रातःकाल में हवन पूजन किया गया जिसमें अनेक जोड़ों ने भाग लेकर पूजा की। इसके पश्चात पालकी उत्सव के तहत अभिनवनगर, ईश्वरनगर में पालकी यात्रा निकाली गई। शाम को विधिविधान के साथ गौमाता की पूजा विहिप प्रान्त उपाध्यक्ष गोर्वधन राओ, विहिप विभाभ सचिव विनायक तलगेरी, विहिप हुब्बल्ली महानगर अध्यक्ष संजय बडसकर, सचिव रमेश कदम, सहसचिव विजय क्षीरसागर ने किया। देवासी समाज के राजू देवासी व कोलाराम देवासी के सहयोग से गायों के चारे की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में अनेक हिन्दू संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

भारतीय जनता पार्टी कर्नाटक की प्रवक्ता सुरभि होडीगेरे के हुब्बल्ली प्रवास के दौरान सामाजिक कार्यकर्ता विनोदकुमार पटवा, राकेश कटारिया, राजन जैन, चिराग भंडारी आदि ने मुलाकात कर उनका सम्मान किया। ज्ञातव्य है कि हारवर्ड यूनिवर्सिटी से स्नातक सुरभि ने अपने राजनैतिक व शैक्षणिक क्षेत्र में विशेष स्थान पाया है ।

तमिलसाई सुंदरराजन ने दिया इस्तीफा

चेन्नई। पुडुचेरी की उपराज्यपाल और तेलंगाना की राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेज दिया है। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की उपराज्यपाल और तेलंगाना के राज्यपाल के रूप में नियुक्ति से पहले डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन भाजपा की तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष थीं। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने थूथुकुडी लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा था और डीएमके नेता कनिमोझी करुणानिधि से हार गईं थी।

सिवांची ओसवाल महिलाओं ने मनाया महिला दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सिवांची ओसवाल जैन महिला संघ द्वारा महिला दिवस के मौके पर 'नादान परिंदे' नामक कार्यक्रम नेशनल कॉलेज ऑडिटोरियम में किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं के बाहरी व मन की सुन्दरता को संवारने का है। कार्यक्रम में मोटिवेशनल स्पीकर मुकेश भंडारी ने कहा कि कभी–कभी अनजाने में ही नारी ही नारी को नहीं समझ पाती है।

हमें हर रोज अपने मन के भीतर झांककर देखना चाहिए कि हम कहीं अपने आप को दुख तो नहीं पहुंचा रहे हैं और उस दुख से किसी और को दुख नहीं पहुंचा रहे हैं? उन्होंने कहा कि यदि हम अपना नजरिया बदल ले तो हम हर परिस्थिति में अपने आप को खुश रख सकते हैं। कार्यक्रम में करीब 200 महिलाओं ने भाग लिया।

सचिव प्रीति चौरडिया ने मंच का संचालन किया। कोषाध्यक्ष ऊषा भंडारी ने सभी का स्वागत किया प्रोजेक्ट हेड्स शीतल चोपड़ा, डिंपल बागरेचा, टीनू पालरेचा ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। सह कोषाध्यक्ष ललिता छाजेड़ ने सभी प्रायोजक परिवार व अतिथियों को धन्यवाद दिया। अध्यक्ष सीमा मेहता, उपाध्यक्ष हेमा चोपड़ा, सहसचिव डिंपल ओस्तवाल सहित पूरी कमेटी सदस्याएं उपस्थित रहीं।

मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ के स्नेह मिलन में दिखा उत्साह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीरेडेन्सी रिसोर्ट में मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ बेंगलूरु कर्नाटक का स्नेह मिलन आयोजित हुआ। अध्यक्ष कन्हैयालाल चिप्पड़ ने सभी का स्वागत करते हुए संघ के विकास के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि समाज जागरूक रहेगा, तभी विकास संभव है। उन्होंने कहा कि समाज के पदाधिकारियों को डर रहना चाहिए। सही कार्य के लिए आप समर्थन करें गलत होता है तो आप उसे रोके। पारदर्शिता से संघ का कार्य हो, भाई भतीजावाद ख़त्म हो। आपसी प्रेम, प्यार व सौहार्द से संघ मजबूत बनता है और संघ की ताकत बढ़ती है। संघ हमेशा अनुशासन से आगे बढ़ता है, ईर्ष्या से नहीं। कन्हैयालाल सुराणा ने कहा कि संघ का संचालन सविधान के अनुसार होना चाहिए। जो संघ की विघटन में कार्य करते है हमें उनके प्रति एक्शन लेना चाहिए । एकता ही संघ की ताकत है सही का साथ देना है ओर ग़लत का बहिष्कार करना चाहिए।

प्रकाशचन्द बाबेल, पुखराज श्रीश्री माल, जयन्तिलाल ओस्तवाल, बंशीलाल चोपड़ा ने अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर संस्था के रजत जयंती के मौके पर अमृत महोत्सव मनाया तथा सभी का पगड़ी व माला पहनाकर सम्मान किया गया। इस मौके पर उदयलाल कटारिया,गौतमचन्द आंचलिया, बाबूलाल चौधरी, अरुणकुमार डांगी, शंकरलाल हिरण सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। संदीप बरड़िया व सुमित्रा बरडिया ने महिलाओं व उपस्थित सदस्यों के लिए खेलकूद व मनोरंजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अलावा तपस्वियों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में लक्की ड्रॉ भी निकाला गया तथा विजेताओं को स्वर्ण व रजत सिक्के पुरस्कार के रूप में दिए। कार्यक्रम में जैन कॉन्फ्रेन्स के मंत्री कन्हैयालाल सुराणा, तेरापंथ ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाशचन्द बाबेल, रिसोर्ट के मालिक महावीरचन्द पगारिया का सम्मान किया।

राजस्थान परिषद के होली उत्सव में गूंजे होली के गीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राजस्थान परिषद द्वारा विजयनगर स्थित अर्हम भवन में होली उत्सव 2024 का आयोजन किया गया। अध्यक्ष ललित सेठिया ने सभी का स्वागत किया। संयोजक दीपक गोठी एवं सहसंयोजक मोहित बोथरा ने इस कार्यक्रम के आयोजन हेतु कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया। रंगरसिया ग्रुप ने परंपरागत चंग की प्रस्तुति दी तथा होली के गीत गाए।। अशोक कोठारी एवं हनुमानमल माली ने लोकनृत्य की प्रस्तुति दी। अर्हम मित्र मण्डल के अध्यक्ष बहादुर सेठिया, मंत्री विनोद पारख, पूर्व अध्यक्ष नरपतसिंह चोरड़िया, राजस्थान परिषद के निवर्तमान अध्यक्ष बालचंद चिण्डालिया, पूर्व अध्यक्ष हाथीमल बैद एवं सूरज चिण्डालिया सहित कई सदस्य उपस्थित रहे । मंच संचालन मंत्री विनय बैद ने किया ।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com